RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:285। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शनिवार) 06 जून 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

त्रिपुरा हो या फिर बंगाल-बिहार, हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे: अमित शाह

•कुछ लोग बड़े से बड़े काम करने के बाद भी प्रसिद्धि की परवाह नहीं करते : केंद्रीय गृह मंत्री

'बीएसएफ के पास पाकिस्तान बॉर्डर और बांग्लादेश बॉर्डर सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा है।'

एजेंसी

त्रिपुरा । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लंकामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट पर बीएसएफ जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा फ्रंटियर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे त्रिपुरा हो या बंगाल या फिर बिहार, हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे। यह हमारा अटूट संकल्प है। अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ के पास पाकिस्तान बॉर्डर और बांग्लादेश बॉर्डर सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा है। इतने विस्तृत बॉर्डर पर हर सीमा की एक अलग प्रकार की चुनौती है। कहीं नशे का व्यापार है, कहीं ह्यूमन ट्रैफिकिंग का सवाल है, कहीं हथियारों की स्मगलिंग का सवाल है, कहीं पर ड्रग्स की तस्करी और नकली करेंसी की तस्करी होती है। हर सीमा के अपने अलग-अलग प्रश्न हैं। हमने तय किया है कि बीएसएफ जहां-जहां पर है, वहां स्मार्ट बॉर्डर का निर्माण करना है और एक चतुष्कोणीय सुरक्षा रणनीति के तहत स्थानीय प्रशासन को साथ में रखते हुए तथा टेक्नोलॉजी और जवानों का सहयोग लेते हुए सीमाओं को अभेद्य बनाना है।

उन्होंने कहा कि मैं हमेशा कहता हूं कि यदि किसी आवास में लगी एक ट्यूबलाइट भी मेरे सीमा प्रहरियों की सुविधा बढ़ाती है तो उसके लिए भी मैं समय देने को तैयार हूं। इसी भावना के साथ हमने सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों की सुविधाओं और सुरक्षा की चिंता की है। अमित शाह ने कहा, 'मैं हर बार जब बीएसएफ के कैंप में जाता हूं, तब कहता हूं कि देश की जनता और विशेषकर भारत का गृह मंत्री रात में सो पाता है, क्योंकि सीमा प्रहरी बॉर्डर पर रात को जगकर हमारे देश की सुरक्षा कर रहे हैं। यह बहुत बड़ा काम है। देश की जनता इसे बहुत सम्मान के साथ देखती है। गृह मंत्रालय भी इस समर्पित भावना को सम्मान के साथ देखता है। विश्व पर्यावरण दिवस का जिक्र करते हुए शाह ने

कहा कि मुझे खुशी है कि सीएपीएफ और बीएसएफ के सभी जवान पूरे समर्पण के साथ एक पेड़ को अपना भाई, बहन या बच्चा मानकर उसकी देखभाल कर रहे हैं। यह कार्यक्रम सिर्फ सरकारी आदेशों से प्रेरित नहीं होना चाहिए। यह हमारी स्वाभाविक आदत बननी चाहिए। यही स्वाभाविक आदत हमें बचा सकती है। हमें सोचना चाहिए कि हमारी सुरक्षा करने वाली बीएसएफ की चौकी बनाने के लिए कितने पेड़ काटे गए थे और उससे कहीं ज्यादा पेड़ लगाना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और ओजोन परत में बड़े-बड़े छिद्र इस धरती को जीने योग्य नहीं छोड़ेंगे, यदि हम आज जागरूक होकर इसकी क्षति की पूर्ति की दिशा में कार्य नहीं करेंगे। हमारे प्रधानमंत्री जी ने कई प्रकार के उपाय एक साथ शुरू किए हैं। कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम हो, इको-फ्रेंडली बिजली किस प्रकार से बनाई जाए, ऊर्जा की खपत कम से कम कैसे हो, इसके लिए अनेक उपाय एक साथ किए गए हैं। एक प्रकार से भारत के मॉडल को पेरिस सम्मेलन में आदर्श मॉडल के तौर पर स्वीकार किया गया। अमित शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी माधव सदाशिवराव गोलवलकर की पुण्यतिथि का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग बड़े से बड़े काम करने के बाद भी प्रसिद्धि की परवाह नहीं करते। पूज्य गुरुजी भी ऐसे ही थे। उन्होंने पूरे जीवन असीम धैर्य, अतुलनीय परिश्रम और मातृभूमि के प्रति भक्ति की भावना के साथ कार्य किया।

आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ाने वालों ने देश को दूसरों पर निर्भर बनाए रखा था : मोदी

• दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की आलोचना करने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने देश को लंबे समय तक दूसरे देशों पर निर्भर बनाए रखा और आज भी भारत के संकल्पों को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। कोरोना महामारी, विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध और वैश्विक ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और गैस आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद भारत ने 140 करोड़ नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से इन चुनौतियों का मजबूती से सामना किया है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और पिछले 12 वर्षों में देश ने जो क्षमता विकसित की है, उसका महत्व मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में स्पष्ट दिखाई

देता है। मोदी ने कहा कि गुजरात ने रिफाइनिंग, सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाकर देश को मजबूत आधार दिया है। भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 250 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जिसमें अकेले गुजरात का योगदान 50 गीगावाट है। देश की हरित ऊर्जा का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरात से आता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब देश ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया जैसे भविष्य के ऊर्जा क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और इसमें भी गुजरात की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि हजीरा को देश के बड़े समुद्री औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है और यह आत्मनिर्भर भारत का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देने के लिए सरकार ने कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया है। वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) और बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाएं इसी सोच का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता विकास को प्राथमिकता देने वाली सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हाल के पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी चुनावों सहित विभिन्न पंचायत, नगर निकाय और निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को व्यापक जनसमर्थन मिला है। उनके अनुसार, जनता ने अराजकता, अनिश्चितता और नकारात्मक राजनीति को नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता का माहौल बनाकर राजनीतिक अवसर तलाश रही है, लेकिन जनता लगातार उसे जवाब दे रही है। मोदी ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस हाशिये पर पहुंच चुकी है और जिन राज्यों में उसकी सरकारें हैं, वहां भी जनता उसके शासन से असंतुष्ट है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भी कांग्रेस को झटके लगे हैं। कर्नाटक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के प्रति लोगों में नाराजगी है और इसी कारण पार्टी को अपना मुख्यमंत्री बदलना पड़ा।

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने नई पार्टी बनाई

•अगला चुनाव लड़ने का ऐलान; कहा- मतभेद थे

एजेंसी

नई दिल्ली । तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं।

अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद

चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के IPS अधिकारी रहे हैं। नौकरी छोड़कर 2020 में भाजपा से जुड़े। पार्टी ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। अन्नामलाई के रहते हुए बीजेपी ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ सका।

मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में आया था

पीएम मोदी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर मैं 6 साल पहले भाजपा में शामिल हुआ था। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राज्य में राजनीति के तौर-तरीकों को बेहतर बनाना था।

बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन टिकी नहीं

मैं बीजेपी नेतृत्व का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ जैसे युवा और अनुभवहीन व्यक्ति पर भरोसा करके बड़ी जिम्मेदारियां और नेतृत्व के पद सौंपे। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं।

मेहसाणा में खाकी का नंगा नाच: कांस्टेबल तरुणसिंह डाभी का 'क्राइम सिंडिकेट', जिले में 'गुंडाराज' और पुलिस का 'अपराधिक मौन'

क्या मेहसाणा पुलिस विभाग पूरी तरह से बिकाऊ हो चुका है? एक कांस्टेबल के इशारे पर नाच रही है पूरी जिले की कानून-व्यवस्था शराब, जुआ और अवैध वसूली का एक ऐसा काला साम्राज्य, जिसके सामने सरकार और कानून के नियम भी घुटने टेक चुके हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। गुजरात के मेहसाणा जिले में इस वक्त 'पुलिस' नाम की कोई चीज़ नहीं बची है, बल्कि एक 'ऑर्गेनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट' चल रहा है। लांघणज पुलिस स्टेशन में तैनात कांस्टेबल तरुणसिंह डाभी ने खाकी की आड़ में एक ऐसा समानांतर तंत्र खड़ा कर दिया है, जो खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहा है। यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि समाज को जहर पिलाने का एक सुनियोजित षड्यंत्र है।

भ्रष्टाचार का 'कन्वेयर बेल्ट': खाकी के संरक्षण में मौत का व्यापार

तरुणसिंह का नेटवर्क इतना व्यवस्थित है कि आज मेहसाणा का हर प्रमुख इलाका उसके 'अवैध टैक्स' के दायरे में है।

लांघणज से कडी तक: गोजरिया में बेचर ठाकोर हो, लींच में सुरेश ठाकोर या फिर विरसोडा-मंडाली में बैठा मोहसिन–ये सब सिर्फ मोहरे हैं। असली बाजीगर तरुणसिंह है, जो अपनी वर्दी की पावर दिखाकर इन बुटलेगरों को अभयदान देता है।

जुआघरों का मकड़जाल: नंदासन के राजपुर गांव में इम्तियाज और सरफराज द्वारा संचालित आलीशान जुआघर इस बात का सबूत है कि जिले में प्रशासन 'सो' नहीं रहा, बल्कि 'पैसे गिन रहा है'। वहीं, बावलु में रमेह ठाकोर के खुले खेतों में चल

रहे करोड़ों के जुए पर पीआई बडवा की रहस्यमयी चुप्पी इस गंदे खेल में उनकी सीधी भागीदारी को सिद्ध करती है।

'राजस्थान-मेहसाणा' कॉरिडोर: जहरीली शराब का अंतरराज्यीय माफिया कनेक्शन

तरुणसिंह डाभी का नेटवर्क केवल स्थानीय नहीं, बल्कि सरहदों के पार फैला है। राजस्थान के कुख्यात माफिया आशु अग्रवाल (आबू रोड), गुलाबसिंह (दांतीवाड़ा) और सांचौर के बिश्नोई गैंग के साथ मिलकर शराब के कंटेनर मेहसाणा में 'सेफ पैसेज' से आ रहे हैं। इन माफियाओं को पुलिस का डर नहीं है, क्योंकि उनके पास तरुणसिंह का 'पासपोर्ट' है। स्थानीय बुटलेगरों के लिए यह फरमान जारी हो चुका है कि अगर माल पुलिस की मुखबिरी से बचना है, तो केवल 'तरुणसिंह एवेन्यू' से ही शराब खरीदो। यह सीधे तौर पर एक पुलिस अधिकारी का अपराधियों के साथ मिलकर सरकारी तंत्र के खिलाफ युद्ध है।

दागी इतिहास: एक 'घूसखोर' जिसे हर बार 'सिस्टम' ने बचाया

तरुणसिंह कोई नया खिलाड़ी नहीं है। तीन साल पहले जब वह सांचौर जाकर माफियाओं के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया, तब उसे निलंबित करने के बजाय केवल संतरी ड्यूटी देकर 'प्रमोट' किया गया। नौ महीने पहले कड़ी में पकड़े गए कंटेनर मामले में उसका नाम सामने आते ही पुलिस महकमे के रसूखदार लोगों ने उसे कवच की तरह बचा लिया। सवाल उठता है: वह कौन सी शक्ति है जो एक साधारण कांस्टेबल को जेल जाने से रोक रही है?

अधिकारियों का बेशर्म चेहरा और झूठ का पुलिंदा

जब LCB पीआई कामडिया से सवाल पूछा गया, तो उनका जवाब तंत्र की सड़ांध का सबसे बड़ा प्रमाण था। 'मुझे नहीं पता तरुण डाभी कौन है!'–यह बयान एक पीआई की अज्ञानता नहीं, बल्कि अपराधियों को दिए जाने वाले संरक्षण का एक 'कोड वर्ड' है। यह स्पष्ट है कि नीचे से ऊपर तक हफ्ताखोरी की एक ऐसी कड़ी जुड़ी है जिसे तोड़ना नामुमकिन सा लग रहा है।

गृह मंत्रालय के नाम महानगर मेट्रो की ललकार

1.सत्ता का असली 'अंडरवर्ल्ड डॉन' कौन? लांघणज का एक मामूली कांस्टेबल पूरे जिले को कैसे चला रहा है? क्या वह किसी बड़े राजनेता या आला अधिकारी का 'ब्लैक मनी' कलेक्शन एजेंट है?

2.लट्ठाकांड की उल्टी गिनती: अगर जहरीली शराब से किसी गरीब का परिवार उजड़ता है, तो उसकी चिता की आग क्या सीधे एडीएम, एसपी और तरुणसिंह के घर तक नहीं पहुंचनी चाहिए?

3. पुलिस महकमे की सफाई कब? क्या सरकार का गृह मंत्रालय इस पुलिसिया 'गुंडाराज' को खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगा, या यह पूरा तंत्र इसी तरह सड़ांध में डूबा रहेगा?

जनता अब और चुप नहीं रहेगी। यह रिपोर्ट सिर्फ खबर नहीं, बल्कि उन लोगों के खिलाफ एक चेतावनी है जिन्होंने वर्दी को नीलाम कर दिया है। वर्दी की आड़ में चल रहा यह 'मौत का सौदा' अब बंद होना ही चाहिए!

योग दिवस पर जबलपुर आ सकती हैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जबलपुर में होने वाले भव्य कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। उनके साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश सरकार के कई मंत्री भी मौजूद रह सकते हैं। हालांकि राष्ट्रपति का दौरा अभी प्रस्तावित है, लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति के संभावित आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और कार्यक्रम संचालन को लेकर लगातार उच्चस्तरीय बैठकें हो रही हैं। प्रशासन का लक्ष्य कार्यक्रम को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करना है। योग दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग सक्रिय हो गया है। स्कूलों के शिक्षकों और क्लास टीचर्स के आधिकारिक व्हाट्सएप समूहों में विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

पटना फायरिंग केस: खान सर की बढ़ीं मुश्किलें

आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज

एजेंसी

पटना। पटना में दो कोचिंग संस्थानों के बीच चल रहे विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई उनके कोचिंग संस्थान खान ग्लोबल स्टडीज (केजीएस) में हुई तोड़फोड़, पथराव और फायरिंग की घटना के बाद की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही खान सर से भी पूछताछ की जा सकती है। इसके लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। घटना मंगलवार देर रात की है, जब कुछ लोगों ने कथित तौर पर खान ग्लोबल स्टडीज परिसर में घुसकर तोड़फोड़ और पथराव किया। शुरुआती बयान में खान सर ने आरोप लगाया था कि प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान से जुड़े लोगों ने फायरिंग की है। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि फायरिंग हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। जांच के दौरान सामने आया कि घटना के समय संस्थान में तैनात दो सुरक्षा गार्डों ने राइफल से हवाई फायरिंग की थी। सोशल मीडिया पर फायरिंग का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गार्डों ने स्वीकार किया कि उन्होंने तोड़फोड़ और हमले से बचाव के लिए हवाई फायरिंग की थी। पुलिस ने उनके

हथियार जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। पुलिस ने इस मामले में दहशत फैलाने और अवैध रूप से हथियारों के इस्तेमाल को लेकर अलग से एफआईआर दर्ज की है। वहीं, प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान के निदेशक समेत तीन लोगों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। दूसरी ओर, विरोधी पक्ष ने आरोप लगाया है कि पूरी घटना की साजिश खुद खान सर ने रची थी और फायरिंग की कहानी गढ़ी गई थी।

बसपा प्रमुख मायावती ने हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में पार्टी संगठन की समीक्षा की

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर इकाइयों की समीक्षा बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने तथा चुनावी सफलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बहुजन समाज के लोगों को अपने वोट की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान करते हुए कहा कि वोट की हिफाजत आत्मसम्मान, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के समान है। लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में दोनों राज्यों की संगठनात्मक गतिविधियों और जनाधार विस्तार की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अधूरे मिशन को पूरा करने के लिए बहुजन समाज को एकजुट करना और बसपा को मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। बैठक में हिमाचल प्रदेश में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों के बाद बने राजनीतिक परिदृश्य पर भी चर्चा हुई। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि राज्य में कांग्रेस और भाजपा दोनों के प्रति जनता में असंतोष बढ़ रहा है, ऐसे में बसपा के सामने खुद को एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित करने का अवसर है। जम्मू-कश्मीर इकाई की समीक्षा के दौरान पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने में हो रही देरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा।

वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे पर रमनलाल वोरा ने इदर में पेड़ लगाए,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। पेड़ लगाने का प्रोग्राम हुआ MLA रमनलाल वोरा ने पेड़ लगाए, कई जाने-माने लोग मौजूद थे। वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर इदर में पेड़ लगाने का प्रोग्राम हुआ। यह प्रोग्राम इदर के धनेश्वर महादेव मंदिर में हुआ, जिसमें लोकल MLA रमनलाल वोरा मौजूद थे। यह पेड़ लगाने का प्रोग्राम 'एक पद माँ के नाम' थीम के तहत ऑर्गनाइज़ किया गया था। MLA रमनलाल वोरा ने भी पेड़ लगाकर यह मैसेज दिया कि एनवायरनमेंट को बचाना और पेड़ लगाना हम सबका फ़र्ज़ है। इस मौके पर इदर नगर पालिका अध्यक्ष अनसुयाबेन पटेल, उपाध्यक्ष विनोदभाई परमार, इदर आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के इदर शहर अध्यक्ष कुणालभाई कंसारा, लघुमती मोर्चा के , नागरिक बैंक के निदेशक प्रफुलभाई सुथार, राजेशभाई परमार, दीवानजी ठाकोर और दशरथभाई परमार मौजूद थे।

अंबाजी पुलिस ने जन्मदिन मनाने वाले बूटलेगर के खिलाफ कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। जब तीर्थ नगरी अंबाजी में हर दिन लाखों भक्त अंबाजी के दर्शन करने आते हैं, तब अंबाजी के एक बूटलेगर ने अंबाजी के पास एक संवेदनशील हेलीपैड पर काली स्कॉर्पियो के साथ अपना जन्मदिन मनाया और हाथ में काली स्कॉर्पियो लेकर जन्मदिन मनाने का उसका एक वीडियो वायरल हुआ। अंबाजी पुलिस ने बूटलेगर समेत चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। आज, बूटलेगर अंबाजी पुलिस स्टेशन से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर खुलेआम विदेशी शराब बेच रहा है। लेकिन, अंबाजी पुलिस सो नहीं रही है। जब इस बूटलेगर ने अपना जन्मदिन मनाया, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। लेकिन अंबाजी में खुलेआम विदेशी शराब बिकने के बावजूद, अंबाजी पुलिस कार्रवाई करने में दिलचस्पी क्यों नहीं ले रही है? दिलीप प्रजापति के खिलाफ पुलिस रिकॉर्ड में कई केस होने के बावजूद सवाल उठ रहे हैं कि अंबाजी पुलिस जांच क्यों नहीं कर रही है और उसे विदेशी शराब बेचने की परमिशन क्यों दे रही है। जब प्राइवेट आदमी फिर से अंबाजी पुलिस स्टेशन में जमा होते दिख रहे हैं, तो चर्चा हो रही है कि ये प्राइवेट आदमी पुलिस के साथ मिलकर राजस्थान और गुजरात के बॉर्डर से विदेशी शराब की गाड़ियां हटाने का काम कर रहे हैं। जब ये प्राइवेट आदमी महंगी काली कारों के साथ पुलिस स्टेशन के सामने खड़े हैं। जब पुलिस के साथ ये प्राइवेट आदमी, जो पहले अंबाजी बॉर्डर से गाय की गाड़ियां हटाने को लेकर विवादों में थे, फिर से अंबाजी पुलिस से दोस्ती कर रहे हैं, लोगों को पुलिस की पहचान बता रहे हैं और अपने दांतों से धमकाकर पैसे वसूल रहे हैं। अंबाजी पुलिस, जिसने पहले पिछले बनासकांठा जिले की अंबाजी पुलिस को प्राइवेट आदमी न रखने की हिदायत दी थी, उसने प्राइवेट आदमियों को हटा दिया और जब से नए SP आए हैं, प्राइवेट आदमी फिर से अंबाजी पुलिस स्टेशन के सामने और पुलिस के साथ घूमते दिख रहे हैं। बनासकांठा जिले के SP के लिए अंबाजी पुलिस के साथ रहने वाले प्राइवेट लोगों को हटाना ज़रूरी हो गया।

इथेनॉल प्लांट के खिलाफ लोगों का गुस्साः MLA अमित चावड़ा का मुख्यमंत्री को लेटर, ज़ोरदार आंदोलन की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। तालुका के खुशहाल गांव सारसा में प्रस्तावित इथेनॉल प्लांट को लेकर स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है। इस गंभीर मुद्दे पर अंकलाव MLA और गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अमितभाई चावड़ा ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल को लेटर लिखकर स्थानीय लोगों का विरोध जताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर इस प्लांट को तुरंत कैंसिल नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में ज़ोरदार जन आंदोलन किया जाएगा। अमित चावड़ा ने लेटर में कहा है कि सारसा गांव के सिटी सर्वे नंबरः NA1383/1 और रेवेन्यू सर्वे/ब्लॉक नंबर 1365+1369+1370/1 पर इथेनॉल प्लांट शुरू करने के लिए आंदोलन हो रहा है। इस प्लांट से पूरे इलाके में हवा, पानी और मिट्टी का प्रदूषण फैलने का डर है। 'सरसा और आस-पास का इलाका खेती और पशुपालन पर निर्भर है। यहां की ज़मीन बहुत उपजाऊ है और ग्राउंडवाटर भी साफ़ है। इथेनॉल प्लांट इस प्राकृतिक संसाधन को गंदा कर देगा, जिससे स्थानीय लोगों की सेहत और रोज़ी-रोटी को बहुत नुकसान होगा।' - अमित चावड़ा

विकास के शौकीन भी तबाही का विरोध करते हैं

सरसा गांव सामाजिक, धार्मिक, पढ़ाई-लिखाई और आर्थिक रूप से खुशहाल है। यहां के हर तबके के लोगों ने हमेशा विकास के कामों का साथ दिया है, लेकिन पर्यावरण और इंसानी ज़िंदगी की कीमत पर ऐसे नुकसान पहुंचाने वाले प्रोजेक्ट्स के खिलाफ गांव वालों में बहुत गुस्सा है। स्थानीय लोग और आस-पास के गांवों के लोग इस प्रोजेक्ट का कड़ा विरोध कर रहे हैं। जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए MLA ने सरकार से साफ शब्दों में इस प्रस्ताव को तुरंत रद्द करने की मांग की है।

ओलपाड के परिया गांव के बाहरी इलाके में टेक्सटाइल कंपनी की सड़क के किनारे खड़ी एक और मोटरसाइकिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ओलपाड । तालुका के परिया गांव के बाहरी इलाके में टेक्सटाइल कंपनी की सड़क के किनारे खड़ी एक और वर्कर की मोटरसाइकिल चोरी होने का सिलसिला जारी है, किसी अनजान चोर के चोरी करने से वर्कर्स चोरी के डर से परेशान हैं। जानकारी के मुताबिक, 2 जून को ओलपाड पुलिस स्टेशन में तालुका के परिया गांव के बाहरी इलाके में पटेल एस्टेट में 'गुरुदेव टेक्सटाइल्स' नाम की कंपनी के बाहर सड़क पर खड़ी P के एक वर्कर की मोटरसाइकिल चोरी होने का केस दर्ज हुआ था, जिसकी कीमत Rs. 30,000 थी। इससे पहले कि पुलिस इस चोरी को सुलझा पाती, परिया गांव में एक टेक्सटाइल कंपनी की सड़क पर खड़ी एक वर्कर की मोटरसाइकिल से Rs. 50,000 कीमत का मोबाइल फोन चोरी होने की एक और घटना सामने आई है। मोटरसाइकिल चोरी का शिकार, जिग्नेश नाथूभाई ढोली (27 साल), दाहोद जिले के फतेहपुर तालुका का एक युवा मजदूर है, जो अभी ओलपाड तालुका के परिया गांव के बाहरी इलाके में अंजनी इंडस्ट्रीज में 'के टैक्स' नाम की कंपनी में मास्टर के तौर पर काम करता है और वहीं एक कमरे में रहता है। 2 तारीख की रात को, जिग्नेश ढोली ने अपनी मोटरसाइकिल नंबर GJ-20, BD-8827 को कंपनी के सामने सड़क पर एक खुली जगह में पार्क किया था। लेकिन, अगले दिन, 3 तारीख को सुबह करीब 11 बजे, उसका बड़ा भाई मुकेश सायण बाजार जा रहा था, इसलिए जब उसने उससे मोटरसाइकिल की चाबी ली और पार्क की हुई मोटरसाइकिल को चेक किया, तो वह उसे वहां नहीं मिली। इसलिए, दोनों भाइयों के बहुत खोजने के बाद भी, उन्हें वह नहीं मिली। इसलिए, चोरी का शिकार मोटरसाइकिल जिग्नेश ढोली ने 4 तारीख को ओलपाड पुलिस स्टेशन में 50,000 रुपये के गहने चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

अहमदाबाद पुलिस का 'ऑर्गेनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट' यूनिवर्सिटी पुलिस का 'गिरी' बना शहर का अनधिकृत 'डॉन'

वर्दी के पीछे छिपा शैतान!

वाड्ज का एक प्राइवेट ऑफिस, जहाँ से तय होती है मौत की साजिश

क्या अहमदाबाद पुलिस अब वर्दीधारी अपराधियों की जागीर बन चुकी है?

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद का पुलिस प्रशासन इस वक्त पूरी तरह से एक 'गैंगस्टर मॉडल' पर काम कर रहा है। यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन में तैनात एक मामूली कर्मचारी 'गिरी' ने खाकी को अपने पैरों की जूती बना लिया है। वह पुलिस स्टेशन में बैठने के बजाय वाडज के एक गुप्त 'प्राइवेट ऑफिस' से पूरे शहर की कानून-व्यवस्था का सौदा कर रहा है। यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि पुलिस विभाग के माथे पर लगा वह कलंक है जिसे मिटाने के लिए अब सर्जिकल स्ट्राइक की जरूरत है।

गुलबाई टेकराः पुलिस की छत्रछाया में 'मौत का मेला'

गुलबाई टेकरा का इलाका आज पुलिस की मिलीभगत से अपराध का ऐसा नरक बन चुका है, जहाँ आम आदमी का सांस लेना भी दूभर हैः

ज़हरीला मौत का व्यापार: यहाँ बेची जाने वाली शराब देसी नहीं, बल्कि सीधे यमराज का न्योता है। रसायनों (केमिकल्स) से तैयार यह ज़हर जानबूझकर गरीबों को पिलाया जा रहा है, और पुलिस इसे 'कमाई का जरिया' मानकर मूकदर्शक बनी हुई है।

शराब का अंतरराज्यीय 'सप्लाई चेन': गिरी का नेटवर्क इतना मजबूत है कि शराब के बड़े कंटेनर शहर की सीमाओं को ऐसे पार करते हैं जैसे वे वीआईपी काफिले हों।

देह-व्यापार का वीभत्स चेहरा: स्पा के बोर्ड के पीछे पनप रहा जिस्मफरोशी का यह गंदा खेल पुलिस के 'हफ्ते' के बिना एक सेकंड भी नहीं चल सकता। यह स्पष्ट है कि यहाँ वर्दी, देह और ज़हर का एक घिनौना गठजोड़ काम कर रहा है।

पीआई बावाः कानून के रक्षक या अपराधियों के 'प्रवक्ता'?

जब भी इन अवैध अड्डों पर सवाल उठते हैं, तो स्थानीय पीआई बावा का जवाब आता है–मुझे नहीं पता! क्या पीआई साहेब आँखें बंद करके सो रहे हैं या फिर ये उनकी सोची-समझी 'साधना' है? यह जवाब उनकी अयोग्यता नहीं, बल्कि अपराधियों को बचाने का एक बेशर्म ढाल है। यह स्पष्ट है कि पीआई की यह खामोशी उन नोटों की खनक से खरीदी गई है, जो गिरी के वाडज वाले ऑफिस में हर महीने पहुँचते हैं। एजेंसियों की नपुंसकता सिस्टम 'पंगु' या 'बिकाऊ'? क्राइम ब्रांच, एसएमसी, और पीसीबी जैसी धाकड़ एजेंसियां भी गिरी के सामने नतमस्तक हैं। क्यों? क्योंकि गिरी सिर्फ एक पुलिसवाला नहीं, बल्कि उन 'रसूखदार आकाओं' का कलेक्शन एजेंट है जिनकी पहुँच सीधे गांधीनगर के गलियारों तक है। जब बड़े अधिकारी ही हफ्ताखोरी में हिस्सेदार हों, तो कोई एजेंसी कार्रवाई कैसे करेगी? यह पूरा पुलिस महकमा अब एक 'क्रिमिनल एंटरप्राइज' में बदल चुका है।

बेनामी संपत्ति का काला सचः वेतन चवन्नी का, ठाठ अरबपति का गिरी के पास मौजूद आलीशान बंगले, लग्जरी गाड़ियों का काफिला और बेनामी संपत्तियां इस बात का प्रमाण हैं कि खाकी के नाम पर उसने सिर्फ जनता का खून चूसा है। एक कांस्टेबल का यह रुतबा किसी बड़े माफिया को भी शर्मिंदा कर दे। क्या आय से अधिक संपत्ति की जांच करने वाली एजेंसियां इस भ्रष्ट कर्मचारी के घर के बाहर 'ताला' लगाने की हिम्मत जुटाएंगी?

सत्ता के गलियारों को सीधी चेतावनीः क्या यही है 'सुरक्षित गुजरात'?

1. **पुलिस या अपराधी गिरोह?** क्या सरकार के पास इस बात का कोई जवाब है कि उसका एक मुलाजिम शहर में समानांतर 'गुंडाराज' कैसे चला रहा है?

2. **लट्ठाकांड का 'टाइम बम':** जब गुलबाई टेकरा में कोई बड़ा लट्ठाकांड होगा और लाशें बिछेंगी, तब क्या गृह मंत्रालय उन परिवारों को अपना 'सिस्टम' बेचकर मुआवज़ा दे पाएगा? या तब भी पीआई बावा कहेंगे– 'हमें जानकारी नहीं थी'?

3. **बुलडोजर कहां है?** जनता पूछ रही है, उन इमारतों पर बुलडोजर कब चलेगा जहाँ से यह अपराध का साम्राज्य संचालित हो रहा है?

अहमदाबाद की जनता अब वर्दी के इस नंगे नाच को बर्दाश्त नहीं करेगी। यह महानगर मेट्रो का सीधा दावा है कि अगर इस 'गिरी-सिंडिकेट' को तत्काल जेल में नहीं डाला गया, तो गुजरात का पुलिस तंत्र पूरी तरह से अपराधियों के हाथ में चला जाएगा। बहुत हो गया नाटक, अब कार्रवाई चाहिए!

डभोई APMC में बड़ा राजनीतिक उलटफेरः कांग्रेस के गढ़ में 35 साल बाद BJP का भगवा लहराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। एग्रीकल्चरल मार्केट कमेटी में 35 साल बाद BJP का भगवा लहराया, जिससे लोकल पॉलिटिक्स में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। पिछले साढ़े तीन दशकों से इस कमेटी पर कांग्रेस का राज था, जो अब खत्म हो गया है और BJP सत्ता पर काबिज हो गई है। कमेटी के प्रेसिडेंट और वाइस-प्रेसिडेंट का चुनाव बिना किसी विरोध के हो गया है। मेंबर्स की संख्या और नए ऑफिस बेयरर्स कमेटी के कुल 16 मेंबर्स में से 12 मेंबर्स BJP के और 4 मेंबर्स कांग्रेस के हैं। इस भारी बहुमत के साथ, मुकुंदभाई कंचनभाई पटेल (वसई) नए प्रेसिडेंट और उमेशभाई रमनभाई पटेल (मंडला) वाइस-प्रेसिडेंट चुने गए हैं। इस चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव भी देखने को मिला है, जिसमें पिछले 25 सालों से कमेटी में एक्टिव दिलीप नागजी पटेल को हटा दिया गया है। कार्यकर्ताओं में उत्साह और शानदार स्वागत जैसे ही नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बिना किसी विरोध के चुने गए, BJP कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह था। वडोदरा ज़िला BJP अध्यक्ष बृजेश ब्रह्मभट्ट, मुकेशभाई वसईवाला, प्रहलादभाई पटेल और दिलीपभाई नागजीभाई पटेल समेत बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने नए पदाधिकारियों को माला पहनाई और शानदार स्वागत किया। किसानों के मुद्दे और गोदाम का काम प्राथमिकता नए अध्यक्ष नए अध्यक्ष मुकुंदभाई पटेल ने कार्यभार संभालते ही किसानों को भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में किसानों के जो भी सवाल और मुश्किलें हैं, उन्हें जल्द से जल्द हल किया जाएगा। इसके अलावा, एग्रीकल्चरल मार्केट कमेटी में जो नए गोदाम बनाने का काम बाकी है, उसे प्राथमिकता के आधार पर बहुत जल्द पूरा किया जाएगा।

इदर शहर में आज कांग्रेस की प्रेरणा से जन आक्रोश और विरोध रैली निकाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। टावर चौक से शुरू हुई इस रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। यह रैली NEET पेपर लीक, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के खिलाफ भाजपा सरकार के विरोध में निकाली गई। जन आक्रोश रैली कांग्रेस पार्टी के निर्देशानुसार 5 से 12 जुलाई तक साबरकांठा जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इसी के तहत इदर शहर और तालुका कांग्रेस की ओर से यह जन आक्रोश रैली निकाली गई। कांग्रेस ने इदर में जन आक्रोश रैली निकालीः NEET पेपर लीक, महंगाई-बेरोजगारी के खिलाफ विरोध इदर शहर में आज कांग्रेस की प्रेरणा से जन आक्रोश और विरोध रैली निकाली गई। टावर चौक से शुरू हुई इस रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। यह रैली NEET पेपर लीक, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के खिलाफ भाजपा सरकार के विरोध में निकाली गई। जन आक्रोश रैली कांग्रेस पार्टी के निर्देश पर 5 से 12 जुलाई तक साबरकांठा जिले में कई प्रोग्राम किए गए हैं। इसी के तहत इदर शहर और तालुका कांग्रेस की तरफ से यह जन आक्रोश रैली निकाली गई। हाल ही में NEETपेपर लीक होने की वजह से लाखों स्टूडेंट्स को दोबारा एग्जाम देना पड़ रहा है, जो एक गंभीर मामला है। इसके अलावा महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने आम लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। इस रैली में इदर के टावर चौक से बड़ी संख्या में कांग्रेस वर्कर ऊंट गाड़ियों पर विरोध करते दिखे। रैली टावर चौक से शुरू होकर ममलतदार ऑफिस के सामने बस स्टैंड पर पहुंची। इसके बाद वापस आकर इदर तिरंगा सर्कल के पास खत्म हुई। आज की रैली में जिला अध्यक्ष रामभाई सोलंकी, इदर तालुका अध्यक्ष नंदूभाई पटेल, इदर शहर अध्यक्ष जीतूभाई पांचाल, पूर्व विपक्ष नेता मुकेशभाई परमार, महासचिव अल्पेशभाई ठाकोर, विजयसिंह जेतावत, अनिलभाई पंड्या, रतनबेन सुतारिया, दीपकभाई परमार, राकेशभाई परमार समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

महिला PSI सोनल राठौड़ की बदमाशी का एक और मामलाः उसने मेरे बाल पकड़कर मुझे थाने में ही पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मवेशियों के साथ एक दिव्यांग व्यापारी को पीटने के मामले में चर्चा में रहीं महिला PSI सोनल राठौड़ के खिलाफ अब एक और गंभीर खुलासा हुआ है। व्यापारी को पीटने के मामले में सोनल राठौड़ को सस्पेंड कर दिया गया है और उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है, यह खबर देखने के बाद अहमदाबाद में रहने वाली हिनल गोस्वामी नाम की लड़की के पांच साल पुराने जख्म ताजा हो गए हैं। हिनल गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि साल 2021 में इसी महिला अधिकारी ने थाने के अंदर उसके साथ टॉर्चर किया था। नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन का वह काला दिन पिछली घटना को याद करते हुए हिनल गोस्वामी ने कहा कि साल 2021 में जब सोनल राठौड़ नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर थीं, तो वह एक मामले की शिकायत लेकर वहां गई थीं। शिकायत सुनने के बजाय सोनल राठौड़ ने कानून अपने हाथ में ले लिया और पुलिस स्टेशन के अंदर ही हिनल के बाल पकड़कर उसे बुरी तरह थप्पड़ मारे। उस समय नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में हमारी तरफ से कोई शिकायत भी नहीं ली गई। इंसाफ पाने के लिए हमें पुलिस कमिश्नर तक जाना पड़ा। - हिनल गोस्वामी सस्पेंड नहीं, काम से घर भेजा जाएः पीड़िता की मांग हाल ही में एक दिव्यांग व्यापारी के साथ हुई बेरहमी के बाद सोनल राठौड़ फिर से विवादों में हैं, हिनल गोस्वामी ने सरकार और पुलिस के बड़े अधिकारियों के सामने एक बड़ी मांग रखी है। उनका कहना है कि ऐसे क्रिमिनल सोच वाले अधिकारियों को सिर्फ सस्पेंड करना काफी नहीं है, क्योंकि वे कुछ समय बाद वापस ड्यूटी पर आकर जनता को परेशान करते हैं। इसलिए सोनल राठौड़ को पुलिस डिपार्टमेंट से हमेशा के लिए निकाल देना चाहिए।

ऑपरेशन डेल्टा हंटः गुजरात से 501 बांग्लादेशी गिरफ्तार, 100 से पूछताछ, 100 से ज़्यादा महिलाएं और 30 बच्चे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सिक्योरिटी एजेंसियों ने गुजरात में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों पर नज़र रखी हुई है। पूरे राज्य में चलाए गए स्पेशल सर्च ऑपरेशन डेल्टा हंट के तहत, राज्य के अलग-अलग इलाकों से कुल 501 गैर-कानूनी बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इन घुसपैठियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है और अभी करीब 100 संदिग्धों से कड़ी पूछताछ की जा रही है। अहमदाबाद बना मुख्य हब, 192 घुसपैठिए गिरफ्तार इस पूरे ऑपरेशन में सबसे बड़ी संख्या राज्य की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद से सामने आई है। पुलिस ने अहमदाबाद के अलग-अलग संदिग्ध इलाकों में छापेमारी करके रिकॉर्ड तोड़ 192 बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस को मिले आंकड़ों के मुताबिक, इन घुसपैठियों में 100 से ज़्यादा महिलाएं और करीब 30 छोटे बच्चे शामिल हैं, जो बिना किसी वैलिड डॉक्यूमेंट के लंबे समय से यहां रह रहे थे। नकली डॉक्यूमेंट्स और पूछताछ का सिलसिला सिक्योरिटी एजेंसियों के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए कई बांग्लादेशी नागरिकों पर शक है कि उन्होंने भारतीय नागरिक होने का दावा करते हुए आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर द्वष्ठ जैसे नकली डॉक्यूमेंट्स बनवाए थे। यह पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी गई है कि लोकल लेवल पर इन घुसपैठियों की मदद किसने की और किस नेटवर्क के ज़रिए वे बॉर्डर पार करके गुजरात पहुंचे। फिलहाल, पुलिस और सिक्योरिटी एजेंसियों ने करीब 100 मुख्य संदिग्धों से पूछताछ और उनके आकाओं तक पहुंचने का प्रोसेस शुरू कर दिया है। आने वाले समय में इस केस में बड़े खुलासे होने की संभावना है।

8 साल पहले बिना धड़ के मिले सिर की गुत्थी काफी हद तक सुलझ गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। पुलिस ने आठ साल पुराने एक चौंकाने वाले और रहस्यमयी मर्डर केस को सुलझाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। आठ साल पहले राजकोट में एक बच्चे के सिर की खोपड़ी बिना धड़ के मिली थी, जो उस समय पुलिस के लिए एक बड़ी पहेली बन गई थी। हालांकि, अब इस जुर्म की गुत्थी काफी हद तक सुलझ गई है। पुलिस को शक है कि पिछले साल गिरफ्तार हुए एक बेरहम कॉन्ट्रैक्टर ने काम न करने पर एक मासूम बच्चे को अमानवीय तरीके से टॉर्चर किया था और बेरहमी से उसकी हत्या कर दी थी। इस घटना की डिटेल्स यह हैं कि करीब आठ साल पहले राजकोट के एक दूरदराज के इलाके में बच्चे के सिर का सिर्फ एक हिस्सा मिला था, जबकि उसका धड़ गायब था। लंबी जांच के बावजूद पुलिस बच्चे या उसके कातिल की पहचान नहीं कर पाई। लेकिन राजकोट पुलिस ने केस की फाइल बंद नहीं की और कड़ियां जोड़ती रही। इस बीच, पिछले साल पुलिस के हत्थे चढ़े एक संदिग्ध कॉन्ट्रैक्टर की हिस्ट्री चेक करते समय केस में नया मोड़ आ गया। पुलिस की शुरुआती जांच और पूछताछ में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं कि यह गिरफ्तार कॉन्ट्रैक्टर छोटे बच्चों से मजदूरी करवाता था। आठ साल पहले इस मासूम बच्चे ने काम करने से मना कर दिया था या काम नहीं कर पा रहा था। इससे गुस्साए बेईमान कॉन्ट्रैक्टर ने बच्चे पर बहुत बेरहमी और अमानवीय अत्याचार किया, जिससे बच्चे की मौत हो गई। शक है कि कॉन्ट्रैक्टर ने अपना गुनाह छिपाने के लिए बच्चे के शरीर के टुकड़े कर दिए और धड़ और सिर को अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। राजकोट पुलिस, आरोपी का रिमांड लेने के बाद, अब बच्चे के शरीर के बचे हुए हिस्से ढूंढने और यह पता लगाने के लिए गहरी जांच कर रही है कि इस जुर्म में कोई और तो शामिल

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अर्जुनी के नेतृत्व में पर्यावरण दिवस मनाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पर्यावरण को लगातार हो रहे नुकसान को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के अर्जुनी मंडल के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के तत्वाधान में वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया इस अवसर पर ग्राम रूदगांव में वृक्षारोपण किया गया जिसमें जिला के पदाधिकारी पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष दिलीप साहू भाजपा अर्जुनी मंडल अध्यक्ष भुवन साहू महामंत्री दिनेश साहू महामंत्री अजय वैष्णव जनपद सदस्य श्रीमती दीपक पटेल ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष देवलाल साहू महामंत्री डोमन पटेल जिला किसान मोर्चा सह संयोजक मनीष पटेल भैया लाल साहू कार्यालय प्रभारी चिंतामणि साहू गजेंद्र साहू हाई स्कूल अध्यक्ष थनवार सोनकर राजेश कोराम हरदेव सोनकर एवं बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी गण मौजूद रहे

धोलका में एक टीचर पति ने अपनी पत्नी की पत्थरों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धोलका। धोलका में इंसानियत को शर्मसार करने वाली और पवित्र पति-पत्नी के रिश्ते पर से भरोसा खत्म करने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। घर में घुसने की रंजिश में एक टीचर पति ने धोलका के चालोदा-केलियावासना नहर के पास अपनी ही टीचर पत्नी की पत्थरों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, पापी पति ने अपना पाप छिपाने और सबूत मिटाने के लिए पत्नी की बॉडी पर पेट्रोल डालकर जला दिया। इस दिल दहला देने वाली हत्या के बाद धोलका ग्रामीण पुलिस ने कुछ ही घंटों में गुत्थी सुलझा ली और कातिल पति को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

पत्थरों से पीट-पीटकर हत्या करने के बाद बॉडी को जला दिया गया।

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी बलदेव जाला और उसकी पत्नी रीनाबेन दोनों ही पेशे से टीचर थे। कपल के घर में कुछ समय से खूब सेंधमारी हो रही थी, समाज को ज्ञान दे रहे थे। इसी दुश्मनी और गुस्से में बलदेव झाला अपनी पत्नी रीनाबेन को जान से मारने के इरादे से चालोदा-केलियावासना नहर के पास ले गया था। वहां दोनों के बीच लड़ाई के बाद बेरहम हुए पति ने रीनाबेन को पत्थरों से मारा, जिससे रीनाबेन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हत्या के बाद पकड़े जाने के डर से बलदेव ने अपनी पत्नी की बॉडी पर पेट्रोल डालकर जला दिया, ताकि बॉडी की पहचान न हो सके।

हत्या के बाद गुमशुदगी का ड्रामा करके पुलिस को गुमराह किया

अपनी पत्नी को अपने हाथों से ठिकाने लगाने के बाद, शैतान पति बलदेव झाला ने कानून के शिकंजे से बचने के लिए एक नई चाल चली। वह ऐसे पुलिस स्टेशन गया जैसे कुछ हुआ ही न हो और अपनी पत्नी के लापता होने का ड्रामा शुरू कर दिया। उसने कहानी बनाई कि उसकी पत्नी अचानक कहीं चली गई है और मिल नहीं रही है। पुलिस ने भी शुरू में उसकी बातों पर यकीन कर लिया। धोलका रूरल पुलिस की सख्ती के बाद पापी पति टूट गया। हालांकि, घटना की गंभीरता को देखते हुए धोलका रूरल पुलिस ने पूरी जांच शुरू की। पुलिस को पति बलदेव झाला के व्यवहार और बयानों में कई अंतर मिले, जिससे पुलिस को उस पर शक हुआ। जब पुलिस ने बलदेव को हिरासत में लेकर उससे सख्ती और कानून के हथियारों से पूछताछ शुरू की, तो उसका सारा भरोसा डगमगा गया। पुलिस के कड़े सवालों का सामना करते हुए टूटे हुए पति ने आखिरकार अपना जुर्म कबूल कर लिया और यह बात बताई कि उसने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या करके उसकी लाश जला दी थी। फिलहाल, पुलिस ने मारे गए टीचर पति के खिलाफ हत्या और सबूत मिटाने का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भरूच में स्कूल बस ड्राइवर नशे में पकड़ा गया: स्टूडेंट्स की सुरक्षा पर गंभीर सवाल, पेरेंट्स में चिंता और गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जिले के लुवारा गांव के पास एमिकस स्कूल का एक बस ड्राइवर शराब के नशे में स्कूल बस चलाते हुए पकड़ा गया है। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस की शिकायत के मुताबिक, स्कूल बस नंबर GJ-v-AY-3033 का ड्राइवर नितिन प्रदीपभाई शर्मा शराब के नशे में बस चला रहा था। पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान उसकी संदिग्ध हालत देखने के बाद उसे रोककर जांच की गई। जांच में पता चला कि ड्राइवर नशे में था। स्टूडेंट्स को ले जा रही बस के ड्राइवर के नशे में होने का पता चलने के बाद पेरेंट्स चिंतित और गुस्से में हैं। इस घटना ने स्टूडेंट्स की सुरक्षा व्यवस्था और ड्राइवरों के रेगुलर वेरिफिकेशन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पेरेंट्स ने स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह भी मांग की है कि स्टूडेंट्स की सुरक्षा को लेकर भविष्य में कोई लापरवाही बर्दाश्त न की जाए। इस बात पर भी बहस हुई है कि क्या स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन ने ड्राइवर की अपॉइंटमेंट और उसकी हेल्थ और बिहेवियर पर ठीक से नज़र रखी थी।

स्टाफ, मरीज और उनके साथ आए लोग खतरे में: वालिया के जर्जर हेल्थ सेंटर की छत टूट गई है,

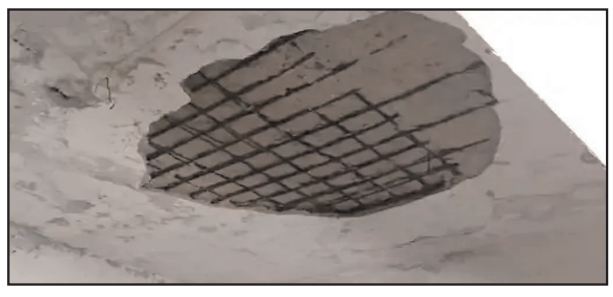

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। आदिवासियों की बड़ी आबादी वाले वालिया तालुका में मौजूद कम्युनिटी हेल्थ सेंटर की हालत बहुत खराब है, स्टाफ, मरीज और उनके साथ आए लोगों को खतरा होने के बावजूद बिल्डिंग को दोबारा नहीं बनाया जा रहा है। हॉस्पिटल को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया था, लेकिन पुरानी जगह पर चलने से लोग फिर से खतरे में हैं। अगर 10 जून तक हॉस्पिटल को दूसरी सुरक्षित जगह पर शिफ्ट नहीं किया गया तो आम आदमी पार्टी ने हड़ताल करने की धमकी दी है। फिलहाल बिल्डिंग की छत टूट रही है। वालिया कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के तहत चार प्राइमरी हेल्थ सेंटर और 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिर चल रहे हैं। इससे पहले यूथ पावर सामाजिक संगठन ने हॉस्पिटल की जर्जर हालत का एक वीडियो वायरल किया था। उसके बाद कुछ समय के लिए हॉस्पिटल को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया था, लेकिन बताया जा रहा है कि उसी जर्जर बिल्डिंग में फिर से हेल्थ सर्विस शुरू कर दी गई हैं। अभी, इस बिल्डिंग में हॉस्पिटल स्टाफ और इलाज के लिए आने वाले मरीज़ों को खतरा है। ज़िला पंचायत सदस्य रजनी वसावा, तालुका पंचायत सदस्य बिपिन वसावा के साथ-साथ यूथ पावर लीडर विनय वसावा, विजय वसावा, धर्मेश वसावा और विजय वसावा ने हॉस्पिटल का दौरा किया।

सलीम डोला की करोड़ों की प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट्स ज़ब्त, 1.33 करोड़ फ्रीज़, सूरत-राजकोट और अंकलेश्वर समेत 21 जगहों पर छापे

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अंकलेश्वर। इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट के फंड और ब्लैक मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (श्रेष्ठ) ने एक बड़ा ऑपरेशन चलाया है। कुख्यात ड्रग्स माफिया सलीम इस्माइल डोला और उसके साथियों द्वारा चलाए जा रहे 'ट्रांस-नेशनल ऑर्गनाइज्ड नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग सिंडिकेट' के खिलाफ जांच के सिलसिले में ED के मुंबई जोनल ऑफिस ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत, 2 और 3 जून, 2026 को मुंबई के अलावा गुजरात में सूरत, अंकलेश्वर और राजकोट समेत कुल 21 जगहों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया गया। ED ने सलीम डोला के ऑर्गनाइज्ड नारकोटिक्स नेटवर्क का पता लगाने के लिए एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया है। ऑपरेशन ने सिंडिकेट से जुड़े एंड-टू-एंड नोड्स को टारगेट किया, जैसे प्रतिबंधित रासायनिक आपूर्तिकर्ता, रासायनिक व्यापारी, सिंथेटिक नारकोटिक ड्रग मेफेड्रोन के निर्माता और वितरक, हवाला ऑपरेटर और ऐसे व्यक्ति जिन्होंने ड्रग सिंडिकेट द्वारा प्राप्त काले धन से करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्तियां बनाई हैं। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य अवैध आपूर्ति श्रृंखला और मनी लॉन्ड्रिंग इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण लिंक को तोड़कर सिंडिकेट के वित्तीय ढांचे को खत्म करना है। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच मुंबई में विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सलीम डोला और अन्य के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड अधिनियम और नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड अधिनियम के तहत दर्ज कई FIR के आधार पर शुरू की गई थी। ED की जांच से पता चला है कि यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक संगठित और सक्रिय है। यह सिंडिकेट बैन प्रीकर्सर केमिकल्स की गैर-कानूनी खरीद, खुफिया लैब्स में मेफेड्रोन (MD ड्रग्स) का प्रोडक्शन, नारकोटिक्स के इंटर-स्टेट ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन में शामिल है। इस सिंडिकेट ने करोड़ों की ड्रग्स की बिक्री से जो कमाई की, उसे हवाला के ज़रिए लॉन्ड्र किया गया और साथियों और नकली लोगों के नाम पर चल-अचल प्रॉपर्टी खरीदी गई। क्योंकि श्रेष्ठ अभी भी इस मामले की और गहराई से जांच कर रही है, इसलिए आने वाले दिनों में और भी चौंकाने वाली जानकारी और संपत्ति ज़ब्त होने की पूरी संभावना है।

क्या 4 साल बाद एक होगी उद्धव-शिंदे की शिवसेना ? MLC चुनाव में टेंशन,

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

महाराष्ट्र। पॉलिटिक्स में पिछले चार साल से चल रहे शिवसेना विवाद में अब एक बड़ा और दिलचस्प ट्विस्ट देखने को मिल रहा है। 2022 में शिवसेना में हुई ऐतिहासिक अनबन के बाद उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे अलग हो गए थे। लेकिन आने वाले लेजिस्लेटिव काउंसिल चुनाव की टेंशन के बीच ग्राउंड लेवल से एक नई सुगबुगाहट सुनाई दे रही है। पॉलिटिकल गलियारों में अब यह बहस तेज हो गई है कि क्या चार साल की लंबी अनबन के बाद उद्धव और शिंदे की शिवसेना फिर से एक हो सकती है? आने वाले लेजिस्लेटिव काउंसिल चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे और कैंडिडेट तय करने को लेकर दोनों पार्टियों के बीच काफी टेंशन है। महायुति और महाविकास अघाड़ी के अंदरूनी इक्वेशन इतने उलझे हुए हैं कि दोनों शिवसेना के नेता सोच-समझकर कदम उठा रहे हैं। इस तनाव के बीच, महाराष्ट्र के ज़मीनी कार्यकर्ताओं और लोकल नेताओं के बीच एक अलग ही सुर देखने को मिल रहा है। ग्राउंड रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ग्रुप के आम कार्यकर्ता अब इस अंदरूनी लड़ाई से थक चुके हैं और पार्टी के हित में एक होना चाहते हैं।

कार्यकर्ता बोले: विचारधारा एक है, बस हाईकमान के आदेश का इंतज़ार है

ग्राउंड ज़ीरो पर भरोसा गुजरात न्यूज़ पेपर के एक प्रतिनिधि से बातचीत में शिवसेना के दोनों ग्रुप के कार्यकर्ताओं ने खुलकर बात की। मुंबई और ठाणे जैसे गढ़ माने जाने वाले इलाकों के कार्यकर्ताओं ने कहा, 'हमारा भगवा झंडा एक है, हमारे बालासाहेब ठाकरे की जोशीली हिंदुत्व की विचारधारा भी एक है। नेताओं की लड़ाई में आम शिवसैनिक आमने-सामने आ गए हैं, जिससे पार्टी को नुकसान हो रहा है। 'दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं का मानना है कि अगर मराठी मानुष और शिवसेना को महाराष्ट्र में अपना दबदबा बनाए रखना है, तो दोनों ग्रुप को फिर से एक साथ आना होगा। कार्यकर्ताओं ने साफ कहा कि वे दिल से चाहते हैं कि शिवसेना एक हो, लेकिन आखिरी फैसला लीडरशिप के हाथ में है। अब बस हाईकमान यानी उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से पॉज़िटिव ऑर्डर या ग्रीन सिग्नल का इंतज़ार है।

भविष्य में एक बड़ा पॉलिटिकल बदलाव

पॉलिटिकल एनालिस्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र के आने वाले पॉलिटिकल इक्वेशन और स्पेशल चुनाव के नतीजे इन दोनों नेताओं को फिर से करीब लाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सत्ता का हिसाब-किताब जो भी हो, लेकिन यह तय है कि ज़मीनी लेवल पर शिवसैनिकों की एकता की यह मांग आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की पॉलिटिक्स में कोई बड़ा झटका या अचानक घोषणा ला सकती है।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC) के नए चुने गए विंग की पहली स्टैंडिंग कमेटी मीटिंग हुई,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नए चुने गए विंग की पहली वीकली स्टैंडिंग कमेटी मीटिंग गुरुवार को हुई। इस मीटिंग में शहर के अलग-अलग डेवलपमेंट के कामों और मॉनसून की तैयारियों पर डिटेल में बात हुई। मीटिंग के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कमलेशभाई पटेल ने जनता के हित में लिए गए अलग-अलग फ़ैसलों की जानकारी दी। घाटलोडिया की घटना के बाद हाई-रिस्क एरिया में मॉनिटरिंग बढ़ाई जाएगी हाल ही में, चेयरमैन कमलेशभाई पटेल ने शहर के घाटलोडिया इलाके में गंदे पानी की वजह से हुई घटना पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि घाटलोडिया की घटना से सबक लेकर AMC अब एक्शन मोड में आ गई है। आने वाले समय में, शहर में जहां भी ऐसी समस्या होने की संभावना होगी, वहां एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा मॉनिटरिंग और चेकिंग बढ़ाई जाएगी ताकि लोगों की हेल्थ से कोई कॉम्प्रोमाइज़ न हो। मानसून से एक हफ़्ते पहले भरने का आदेश, नई खुदाई पर रोक मानसून का मौसम नज़दीक आ रहा है, इसलिए चेयरमैन ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि शहर के सभी छोटे-बड़े को भरने का काम अगले एक हफ़्ते में पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही, प्रशासन से सख्त अपील की गई है कि मानसून के दौरान सड़कें सुरक्षित रहें, इसके लिए अब से शहर में कहीं भी नए न खोदे जाएं। ट्रैफ़िक और दबाव हटाने के लिए 1.25 करोड़ रुपये की लागत से क्रेन किराए पर ली जाएगी शहर में लगातार बढ़ रही ट्रैफ़िक समस्या और गैर-कानूनी दबावों के खिलाफ़ भी कमेटी ने बड़ा फ़ैसला लिया है। ट्रैफ़िक और दबाव हटाने के काम में और तेज़ी लाने के लिए, अगले छह महीनों के लिए निगम की ओर से एक स्पेशल क्रेन किराए पर ली जाएगी। इस प्रोजेक्ट के लिए 1.25 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत को मंज़ूरी दी गई है। इस क्रेन की मदद से सड़क पर रुकावट डालने वाले वाहनों और दबाव को तुरंत हटाया जा सकेगा, जिससे ट्रैफ़िक की समस्याओं से राहत मिलेगी।

TCS के बाद विप्रो में धर्म बदलने के आरोप; पीड़िता ने कहा, कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने, मुस्लिम से रिश्ता बनाने को कहा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

IT सेक्टर की जानी-मानी कंपनी TCS के बाद अब एक और मशहूर IT कंपनी विप्रो ने धर्म बदलने के गंभीर आरोप लगाकर कॉर्पोरेट दुनिया में बड़ी हलचल मचा दी है। कंपनी की एक पुरानी महिला कर्मचारी ने अपनी सहकर्मी पर इस्लाम अपनाने और उसे मानसिक रूप से परेशान करने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, जब पीड़िता ने इस बारे में कंपनी मैनेजमेंट से शिकायत की तो उसने यह भी आरोप लगाया है कि इंसाफ दिलाने के बजाय उसे इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। धर्म बदलने का दबाव और गलत मांगें पीड़िता ने अपनी कहानी सुनाते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं कि कंपनी में उसके साथ काम करने वाला एक मुस्लिम कर्मचारी उस पर लगातार हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने का दबाव बना रहा था। आरोपी कर्मचारी उसे एक मुस्लिम युवक से रिश्ता बनाने और शादी करने के लिए भी मजबूर कर रहा था। पीड़िता ने ऐसी हरकतों का कड़ा विरोध किया, लेकिन आरोपी ऑफिस में उस पर मानसिक दबाव बनाता रहा। इंसाफ दिलाने के बजाय कंपनी ने दिया इस्तीफा महिला कर्मचारी ने पूरे मामले की डिटेल में विप्रो के बड़े अधिकारियों और इंटरनल कंप्लेंट्स कमिटी से शिकायत की थी। पीड़िता को उम्मीद थी कि कंपनी इस बदतमीज़ कर्मचारी के खिलाफ सख्त एक्शन लेगी, लेकिन कंपनी ने मामले को दबाने की कोशिश की। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत करने के बाद उसे परेशान किया गया और आखिर में दबाव में उससे इस्तीफा ले लिया गया, जबकि आरोपी कर्मचारी के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई है।

कॉर्पोरेट कंपनियों में बढ़ता करप्शन?

TCS के बाद विप्रो जैसी मल्टीनेशनल कंपनी में धर्म बदलने और ऐसे दबाव की घटना के बाद सोशल मीडिया और कॉर्पोरेट सर्कल में काफी गुस्सा है। महिलाओं की सुरक्षा और ऑफिस कल्चर पर गंभीर सवाल उठे हैं। इस मामले की कानूनी जांच की मांग अब जोर पकड़ रही है, ताकि पीड़ित महिला को इंसाफ मिल सके और ऐसी सोच रखने वाले लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा सके।

कनाडा में फंसे 24 करोड़ रुपये के लालच में 2.27 करोड़ रुपये ठगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। इकोनॉमिक ऑफेंस प्रिवेंशन विंग ने एक हाई-प्रोफाइल ठग जोड़ी 'बंटी-बबली' को पकड़कर करोड़ों रुपये के घोटाले का पर्दाफाश किया है। इस कपल ने कनाडा में फंसे 24 करोड़ रुपये निकालने का लालच देकर एक व्यक्ति से 2 करोड़ 27 लाख रुपये की बड़ी ठगी की थी। इस मामले में पुलिस ने अनिल विभानी और उसकी पत्नी विम्मी विभानी को गिरफ्तार किया है।

बड़े अधिकारियों के साथ फोटो दिखाकर फंसाना

आरोपी अनिल विभानी बड़े अधिकारियों और प्रतिष्ठित लोगों के साथ होने का दिखावा करने के लिए अपनी पहचान नकली बताता था। वह लोगों को इम्प्रेस करने के लिए बड़े अधिकारियों के साथ फोटो दिखाता था। जांच में पता चला कि अनिल पहले ट्रक ड्राइवर और पत्थर खदान में काम करता था, लेकिन लग्ज़री लाइफ जीने के लिए उसने 2019 से फ्रॉड का धंधा शुरू कर दिया। आरोपी अनिल अपनी पहली पत्नी को पहले ही मार चुका है आरोपी अनिल का बहुत बड़ा क्रिमिनल इतिहास है, उसने 2012 में सूरत के रांदेर में अपनी पहली पत्नी को मार डाला था। जेल से बाहर आने के बाद उसने अपनी इस दूसरी पत्नी के साथ मिलकर फ्रॉड का बड़ा नेटवर्क शुरू किया। 5 करोड़ की लग्ज़री कारें और बैंक अकाउंट फ्रीज EOW जांच के दौरान पुलिस भी इस ठग कपल की लग्ज़री लाइफस्टाइल देखकर हैरान रह गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से 5 करोड़ रुपये की लग्ज़री कारों का बेड़ा ज़ब्त किया है।

रोजाना लाखों की रिश्वत लेने वाले CEO अश्विन चौधरी की आय से अधिक संपत्ति का पता लगाने का काम तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कमिश्नर। कम चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर अश्विन चौधरी की काली कमाई का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। आरोपी अधिकारी की आय से अधिक संपत्ति का पता लगाने के लिए ACB द्वारा शुरू की गई जांच के दौरान उसके बैंक लॉकर में 54.13 लाख रुपये का सोना-चांदी मिला है।

लॉकर में बड़ी मात्रा में कीमती गहने मिले

मिली जानकारी के मुताबिक, रिश्वत मामले में पकड़े गए अश्विन चौधरी के अलग-अलग बैंक अकाउंट और लॉकर की जांच की जा रही है। ACB टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान जब उसके एक बैंक लॉकर की तलाशी ली तो अधिकारी भी हैरान रह गए। इस लॉकर में 54.13 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने और कीमती सामान मिला, जिसे ACB ने कानूनी कार्रवाई के बाद जब्त कर लिया है। जांच एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, अश्विन चौधरी अपने सरकारी पद का गलत इस्तेमाल करता था .

भाजपा सरकार की नाकामी का जनता ने घुमका नगर पंचायत सहित छः जगह पर दिया करारा जवाब तरुण सिन्हा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता तरुण सिन्हा ने कहा भाजपा सरकार की नाकामी और अप्सर शाही का खामयाजा बताया श्री सिन्हा ने कहा इसी तरह लोगो मे इंतजार है की 2028 का चुनाव मे जवाब देने की तैयारी है लोगो के साथ लगातार जनता ने जो जनादेश भाजपा को दिया था आज वो पूर्ण तरीके से फेल नजर आ रही है और भाजपा राज मे अपसर शाही की मनमानी चल रही है इस तत्कालीन सरकार से लोगो मे खासी नाराजगी है जो नगर पंचायत घुमका सहित अन्य नगर एवं वार्ड चुनाव मे भाजपा करारा जवाब जनता ने दिया है ये हमारा प्यारा छत्तीसगढ़ जो कल सबसे शांत आज लोग अपने आप को ठगा सा महसूस करने लगे है अगर इसी तरह चलता रहा तो छत्तीसगढ़ नशा खोरी चाकू बाजी गोली कांट और रंगदारी अवैध उतखनन और चोरी चकारी औवल नम्बर कहलाये गा ये हमारा छत्तीसगढ़ इस सरकार मे आज सभी वर्ग परेशान है आने वाले समय मे जनता ने पूर्ण मन बना लिया है अगर कोई लोगो की हित मे सोचता है लोगो की चिंता करता है तो वो सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस पार्टी है

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं, लंबे चिंतन का निष्कर्ष दिखाई देता है

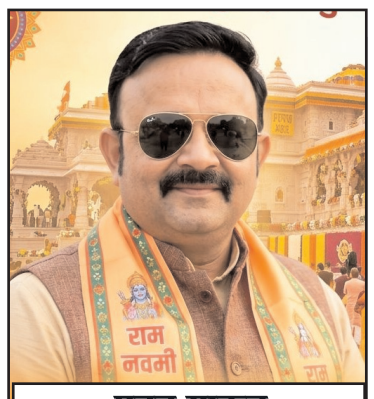

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है।

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं। अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन ₹वी द लीडर₹ की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दशार्ती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

संपादकीय

बूढ़ी पटरियों पर

न ट्रेन की आवाज में अंतर और न ही गति में कोई फर्क, फिर भी हरी झंडियों ने नैरो गेज लाइन पर कांगड़ा घाटी रेल की तारीफ कर दी। फिलहाल दो ही रेल गाडि?ां पठानकोट से बैजनाथ तक के सफर को आबाद करेंगी। कांगड़ा रेलवे स्टेशन पर हुआ ह्यझंडी समारोहह्न बताता है कि हम पुरानी ईंटों से घर बनाते हैं, जश्न को कंधों पर उठाते हैं। वाकई जश्न के अधिकारी हमारे सांसद थे, जिनके प्रयास चार साल मेहनत करने के बाद, समझ पाए कि कांगड़ा की जनता क्या चाहती है। कहां तो ब्रॉड गेज रेल की सीटियां सुनाई गईं और कहां हवाला यह कि मात्र दो रेलगाडि?ां बंधकों की तरह सुबह सवेरे ही पठानकोट के सुख चैन को नुकसान पहुंचाए बिना निकल आएंगी। एक ट्रेन सुबह पांच तो दूसरी सात बजे पठानकोट से चलेगी, जबकि जनता का आग्रह तो कुछ भिन्न है। उसे दिन में दौड़ती ट्रेने चाहिएं और वापसी भी सारा दिन चाहिए। गनीमत यह कि अंग्रेजों की पटरी पर हम पुनः अपने सफर की रवानगी करते हुए दिखाई दिए। यह ट्रेन अपने नए उद्घाटन को याद रखेगी और खुश होगी कि राजनीतिक मंच बूढ़ी पटरियों पर भी पसर सकता है। इस दौरान हम गुमराह होने के लिए इसी ट्रेन पर गौरव हासिल करते रहेंगे। हमें याद है पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्र में मंत्री रहे शांता कुमार खाका खींचते रहे कि पठानकोट से ब्रॉडगेज पटरी पर नया आसमान खुलेगा। उनके नक्शे सेना की योल छावनी व होल्टा कैंप से निकलकर, रेल विस्तार का बड़ा चित्र पेश करते रहे। इतना ही नहीं वर्तमान सांसद डा. राजीव भारद्वाज भी सपनों की रेल चलाने की कामना में राजनीतिक पत्ते खेलते रहे। वाकई हमारे नेता जादूगर हैं और हम हैं भोली भाली जनता जिसे फख्र होता है कभी कांग्रेस के पल्ले और कभी भाजपा की महफिल में नाच देख कर। सही में कहें तो हमारी योजनाओं का कूड़ेदान बदलता रहता है, लेकिन जनता एक स्थायी दर्शक की तरह इंतजार करती है कि कभी तो मंचों से हकीकत के फासले कम होंगे। कांगड़ा अब विडंबनाओं का चिडि?ाघर है और जहां नेताओं के असफल अध्याय इस क्षेत्र के सपनों को बार-बार बर्बाद करते रहे हैं। राज्य की राजनीति हो या केंद्र की भागीदारी हो, कांगड़ा-चंबा का मुकद्दमा यहां के नेता ही हार रहे हैं। जिन्हें रत्ती भर भी संदेह हो, वे पठानकोट-मंडी या कांगड़ा-शिमला फोरलेन के हिस्से देख लें। कब जसूर या मलां के फ्लाईओवर बन जाएंगे, किस सांसद या किस विधायक से पूछें। कांगड़ा सुरंग पर अटकीं फोरलेन की सांसें कौन बहाल करेगा। ट्रेन के हवाले से हिमाचल को अगर गौरव हासिल हुआ है तो हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ऊना से गुजरती ब्रॉडगेज लाइन पर देखना पड़ेगा। देखना पड़ेगा कि अंब-अंदौरा तक आ पहुंची वंदे भारत ट्रेन का महत्त्व क्या है। इतना ही नहीं सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से अब अंब-अंदौरा से हिमाचल पूरे देश से जुड़ता है। ऐसे में पठानकोट से ब्रॉडगेज का गर्द उड़ाने वाले कांगड़ा के सांसद व नेता सोच लें कि अगर वंदे भारत ट्रेन चाहिए, तो अंब-अंदौरा से रेलवे की उस ब्रांच की मांग करें, जो चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा तथा बैजनाथ जैसे तीर्थ स्थलों को जोड़ दे।

चिंतन-मनन

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं। इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत् प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की। यह प्रेम आपको ईश्वरीय पथ की ओर ले जाता है और अपकार की भावना से मन में प्रतिशोध उत्पन्न होता है जो पतन का परिचायक है। यह हमें ईश्वर से विमुख करता है। उपकार की सहज प्रवृत्ति सब में कुछ न कुछ अंश में होती है। यह साधु-पुरुषों की संगति से बढ़ती है। यदि हम किसी का उपकार करते हैं तो यह मानव-जीवन की बड़ी उपलब्धि है। किसी के दुख में सहायक बनकर आप उससे जो आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वह आपके दोनों लोकों को संवारता है। यह जीवन क्षण भंगुर है। इसमें आप यदि अपने सार्मथ्य के अनुसार किसी व्यथित व्यक्ति की सहायता करके उसे उबार लेते हैं तो इसका फल ईश्वर की ओर से आपको अवश्य मिलेगा।

आँकड़ों की कसौटी पर खरा उतरा 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना'

विनोद कुमार सिंह

हरित ऊर्जा,आर्थिक बचत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सफल जनआंदोलन...

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निमार्ताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दशार्ती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने ऊर्जा क्षेत्र को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। लंबे समय तक बिजली उत्पादन केवल बड़े बिजलीघरों, सरकारी संस्थाओं और निजी कंपनियों तक सीमित रहा। आम नागरिक बिजली का उपभोक्ता मात्र था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है।अब नागरिक केवल बिजली उपभोक्ता नहीं बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहा है।यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और डिजिटल कार्यप्रणाली भी है। आवेदन से लेकर स्वीकृति, स्थापना,निरीक्षण और सब्सिडी वितरण तक की अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार तथा अनावश्यक देरी की संभावनाएँ कम हुई हैं।लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त होने से व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

राज्यों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो गुजरात इस योजना का सबसे सफल मॉडल बनकर सामने आया है। राज्य में पाँच लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और लाखों परिवार इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़े हैं। राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।इन राज्यों की सफलता बताती है कि जहाँ प्रशासनिक सक्रियता, जनजागरूकता और वितरण कंपनियों का सहयोग बेहतर रहा, वहाँ योजना के परिणाम भी अधिक प्रभावशाली रहे हैं।हालाँकि उपलब्धियाँ जितनी उत्साहजनक हैं,चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं।सर्वेक्षणों में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी रूफटॉप सोलर प्रणाली की तकनीकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह नहीं समझते। अनेक परिवार इसे बिजली कटौती के समय बैकअप स्रोत मानते हैं,जबकि सामान्य ग्रिड आधारित प्रणाली बिना बैटरी के ऐसा नहीं कर सकती। इसी प्रकार अनेक संभावित लाभार्थियों को उपलब्ध ऋण सुविधाओं और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी नहीं है। इसलिए योजना के अगले चरण में जागरूकता और तकनीकी परामर्श की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी इस योजना का महत्व असाधारण है। भारत ने वैश्विक मंचों पर स्वच्छ ऊर्जा विस्तार और कार्बन उत्सर्जन में कमी का संकल्प लिया है। यदि योजना अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचती है तो आने वाले वर्षों में अरबों यूनिट हरित बिजली का उत्पादन होगा और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता मिलेगी।यह केवल सरकारी लक्ष्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के दो वर्षों का मूल्यांकन करते समय यह स्पष्ट दिखाई देता है कि इसकी सफलता का आधार केवल सरकारी वित्तीय सहायता नहीं है।इसकी वास्तविक शक्ति जनविश्वास,तकनीकी विश्वसनीयता और प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में निहित है।जब कोई परिवार अपने बिजली बिल में बचत अनुभव करता है, तब वह स्वयं इस योजना का सबसे प्रभावी प्रचारक बन जाता है।

ब्रह्मा के प्रपौत्र से लंका के राजा तकः रावण के वंश की अनसुनी रहस्यगाथा

रावण के रक्त में बहते दो विरोधाभासी वंशः जन्म से ब्राह्मण, कर्म से राक्षस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हम जब भी 'रावण' नाम सुनते हैं, तो मन में एक क्रूर, अहंकारी और सीता हरण करने वाले राक्षस राजा की छवि उभर आती है। लेकिन सनातन इतिहास और पौराणिक ग्रंथों के पन्ने पलटें, तो समझ आता है कि रावण का व्यक्तित्व मात्र इतने तक ही सीमित नहीं था। वह एक परम शिवभक्त, प्रकांड पंडित, महान संगीतकार, आयुर्वेद के ज्ञाता और ज्योतिषशास्त्र के असाधारण विद्वान थे। सबसे बड़ा रहस्य तो यह है कि रावण मात्र राक्षस नहीं था, उसकी वंशावली सीधे सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी से जुड़ी हुई है। आइए, आज रावण के वंश के ऐसे रहस्यों के सफर पर चलते हैं, जिन्हें आम तौर पर लोग नहीं जानते। ब्रह्माजी के प्रपौत्र और ऋषिपुत्र रावण का जन्म एक अत्यंत विलक्षण परिस्थिति में हुआ था। वह जन्म से आधे ब्राह्मण और आधे राक्षस थे। ब्रह्माजी के मानस पुत्र थे महर्षि पुलस्त्य। महर्षि पुलस्त्य के पुत्र थे महान तपस्वी ऋषि विश्रवा। इस प्रकार, रावण संबंध में ब्रह्माजी के प्रपौत्र (पोते के बेटे) होते थे। रावण के पिता ऋषि विश्रवा एक उच्च कोटि के ब्राह्मण थे। जबकि उनकी माता 'कैकसी', राक्षस राजा सुमाली की पुत्री थीं। कैकसी ने एक ऐसे पुत्र की चाह में ऋषि विश्रवा से संतानदान मांगा जो तीनों लोकों में सर्वशक्तिमान बने। लेकिन, उन्होंने यह विनती 'कुवेला' (अशुभ मुहूर्त) में की थी, जिसके कारण ऋषि ने कहा कि संतानें क्रूर प्रवृत्ति की जन्म लेंगी। यही कारण है कि रावण को पिता की ओर से प्रकांड बुद्धि, वेदों का ज्ञान और ब्रह्मतेज मिला, जबकि माता की ओर से अखूट शारीरिक बल, तामसी प्रवृत्ति और मायावी शक्तियां मिलीं। बहुत कम लोग जानते हैं कि सोने की लंका मूल रूप से रावण की नहीं थी। वह रावण के सौतेले भाई कुबेर की थी, जो धन के देवता माने जाते हैं। कुबेर ऋषि विश्रवा की पहली पत्नी इडविडा के पुत्र थे। कुबेर ने अपनी तपस्या से ब्रह्माजी से लंका और पुष्पक विमान प्राप्त किया था।

लेकिन माता कैकसी के उकसाने पर रावण और उसके भाइयों ने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से अजेय होने का वरदान पा लिया। इसके बाद रावण ने अपने ही सौतेले भाई कुबेर पर आक्रमण करके सोने की लंका और पुष्पक विमान छीन लिया। भाई-भाई के इस वैमनस्य ने लंका के इतिहास को रक्त से भर दिया। रावण की मुख्य रानी मंदोदरी का चरित्र अत्यंत रहस्यमय और आदरणीय है। मंदोदरी असुर शिल्पी मय दानव और अप्सरा हेमा की पुत्री थी। वह इतनी पवित्र और पतिव्रता स्त्री थी कि हिंदू धर्म में उन्हें पांच महान पवित्र स्त्रियों (अहल्या, द्रौपदी, कुंती, तारा और मंदोदरी) यानी 'पंचकन्या' में स्थान दिया गया है। मंदोदरी ज्योतिष विद्या में भी निपुण थी। उसने हमेशा रावण को अधर्म के मार्ग पर जाने से और सीताजी का हरण करने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन रावण के अहंकार के आगे उसकी एक न चली। अब बात करते हैं रावण की संतानों की। रावण की संतानें मात्र योद्धा नहीं थीं, बल्कि उस समय के अद्भुत विज्ञान और मायावी शक्तियों की प्रतीक थीं।

मेघनाद (इंद्रजीत): रावण का यह ज्येष्ठ पुत्र जब जन्मा, तब रावण ने अपनी ज्योतिष विद्या के बल पर सभी ग्रहों को ग्यारहवें भाव में कैद कर दिया था ताकि पुत्र अमर हो सके। मात्र शनिदेव ने आखिरी समय में स्थान बदल दिया, जिससे क्रोधित होकर रावण ने शनिदेव को अपने सिंहासन के चरणों के नीचे उल्टा दबा कर रखा था। मेघनाद ने स्वर्ग के राजा इंद्र को भी हराया था। वह ब्रह्मास्त्र, नागपाश और पाशुपतास्त्र तीनों का स्वामी था। अतिकायः यह पुत्र इतना विशाल और बलवान था कि उसके चलने से पृथ्वी कांपती थी। उसे शिवजी का दैवी कवच प्राप्त था, जिसे भेदना असंभव था।

अक्षयकुमारः मात्र 16 वर्ष की आयु में हनुमानजी के सामने अशोक वाटिका में युद्ध लड़ते हुए वीरगति पाने वाला यह छोटा पुत्र भी असाधारण अस्त्र-शस्त्र का ज्ञाता था। रामायण के भीषण युद्ध में रावण के सभी पुत्र (मेघनाद, अतिकाय, अक्षयकुमार, त्रिशिरा, देवांतक, नरांतक) और भाई कुंभकर्ण वीरगति को प्राप्त हुए। रावण के वध के साथ ही उसके सीधे साम्राज्यवादी वंश का अंत हो गया। लेकिन, रावण के छोटे भाई विभीषण धर्म के पक्ष में थे। श्रीराम ने रावण के अंत के बाद विभीषण का लंका के राजा के रूप में राज्याभिषेक किया। विभीषण के पुत्र तरणिसेन और पुत्री त्रिजटा (जिसने अशोक वाटिका में सीताजी की माता समान रक्षा की थी) द्वारा यह कुल आगे बढ़ा, लेकिन वह राक्षसी प्रवृत्ति से मुक्त और धार्मिक था। रावण एक बड़ा चिकित्सक भी था। उसने बाल रोगों के लिए 'कुमार तंत्र' और वनस्पतियों के अर्क से उपचार के लिए 'अर्क प्रकाश'जैसे अद्भुत वैज्ञानिक ग्रंथ लिखे थे। रामेश्वरम में सेतुबंध के निर्माण के समय शिवलिंग की स्थापना के लिए पृथ्वी पर रावण से श्रेष्ठ कोई ब्राह्मण नहीं था। श्रीराम के आमंत्रण पर रावण ने स्वयं आकर मुख्य आचार्य के रूप में यह यज्ञ संपन्न कराया था। कैलाश पर्वत उठाते समय शिवजी ने अपना अंगूठा दबाया और रावण का हाथ कुचल गया। उस असह्य पीड़ा में शिवजी को प्रसन्न करने के लिए रावण ने तत्काल 'शिव तांडव स्तोत्र' की रचना की और उसे अद्भुत राग में गाया। संगीत के शौकीन रावण ने कैलाश पर्वत के नीचे हाथ दबे होने के बावजूद शिवजी को रीझाने के लिए अपनी ही एक हड्डी पर अपनी नस खींचकर बांध दी और एक वाद्य बनाया, जिसे आज 'रावणहत्था' (वायलिन का प्रथम स्वरूप) कहा जाता है। मरणशय्या पर रावण ने लक्ष्मण को जीवन के 3 बड़े पाठ सिखाए शुभ कार्य में कभी विलंब न करना, शत्रु को कभी छोटा न समझना, और अपनी मृत्यु का रहस्य (नाभि में अमृत) कभी किसी को न बताना।

भारत के कुछ हिस्सों में आज भी लोग खुद को रावण का वंशज मानते हैंः

मुदगल (मन्दौर, राजस्थान): जोधपुर के पास स्थित मन्दौर को मंदोदरी का मायका माना जाता है। यहां के 'श्रीमली गोधा ब्राह्मण' खुद को रावण का वंशज मानते हैं। वे दशहरा के दिन राम-विजय का उत्सव नहीं मनाते, बल्कि रावण दहन के समय शोक मनाते हैं और जनेऊ बदलते हैं। यहां रावण का एक औपचारिक मंदिर भी स्थित है।

गोंड आदिवासी समुदायः मध्य भारत (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़) के कुछ गोंड आदिवासी रावण और उसके पुत्रों को अपना आराध्य देव और पूर्वज मानते हैं। वे रावण को एक महान वैज्ञानिक और प्रजापालक राजा के रूप में पूजते हैं। रावण की वंशावली हमें यह सीख देती है कि व्यक्ति चाहे कितने भी उच्च कुल में जन्मा हो (ब्रह्माजी के वंश में), चाहे कितना भी ज्ञानी हो, लेकिन यदि उसका विवेक नष्ट हो जाए और वह अधर्म का मार्ग चुन ले, तो उसका नाश निश्चित है। रावण का इतिहास ब्रह्मतेज और राक्षसी अहंकार के बीच के संघर्ष की एक अमर और रहस्यमय कथा है।

दर्शना पटेल(नेशनल मेडलिस्ट)
(नेशनल अवार्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर।

यूपी में सभी होटलों, बहुमंजिला इमारतों का होगा फायर ऑडिट, दिल्ली अग्निकांड के बाद सरकार सख्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली के मालवीय नगर स्थित रेस्तरां में लगी आग का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को प्रदेश भर में व्यापक सुरक्षा जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी बहुमंजिला इमारतों, कार्यालयों, होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी ऑडिट करवाने को कहा है। सीएम ने खासतौर पर होटलों की जांच कर इनकी ऑडिट रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इसके साथ ही इनके फायर सेफ्टी सिस्टम में जरूरत के हिसाब से सुधार करवाने के भी निर्देश दिए हैं।

'ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी'

आग से जुड़ी घटनाओं के संबंध में सीएम योगी ने सभी विकास प्राधिकरणों, पुलिस, लोक निर्माण विभाग और फायर सेफ्टी विभाग समेत सभी एजेंसियों को सतर्कता बढ़ाने को कहा है। उन्होंने साफ कहा कि सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ऐक्शन में फायर सेफ्टी टीम

सीएम के निर्देश पर गुरुवार से ही लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में होटल, गेस्ट हाउस और अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों का फायर सेफ्टी ऑडिट शुरू हो गया। लखनऊ के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल ने टीम के साथ कई होटलों का निरीक्षण किया। इस दौरान जेमिनी कॉन्टिनेंटल, होटल क्लार्क्स अवध, गोल्डन स्काई, यश होटल, मोहन होटल, मिडास, ड्रीम पैलेस समेत कई होटलों का फायर सेफ्टी ऑडिट किया गया।

एक हफ्ते चलेगा अभियान

निरीक्षण के लिए डीजी फायर सर्विस सुजीत पांडे भी फील्ड में उतरे। उन्होंने गोमतीनगर स्थित क्लासियो कलेक्शन होटल पहुंचकर फायर सेफ्टी का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में एक सप्ताह तक विशेष जांच अभियान चलेगा। इस दौरान सुरक्षा मानकों का पालन न करने वाले प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा और कार्रवाई भी की जाएगी।

कानपुर के नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में काट डाले गए 722 पेड़, डायरेक्टर सहित 5 के खिलाफ एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के कैंपस में 600 से ज्यादा पेड़ों को काट दिया गया. इस मामले को लेकर इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर समेत पांच लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है. यह मामला रीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर की शिकायत पर दर्ज किया गया. काटे गए पेड़ों में नीम, शीशम, यूकेलिप्टस, गुलमोहर, गूलर, सिरिस और बॉटल ब्रश जैसे पेड़ शामिल थे. यूपी के कानपुर में नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट परिसर में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है. इस मामले में डायरेक्टर समेत पांच लोगों और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. आरोप है कि परिसर में 722 से अधिक पेड़ों को बिना परमिशन के काटा और उखाड़ा गया. यह मामला क्षेत्रीय वन अधिकारी की शिकायत के बाद दर्ज किया गया. शिकायत में कहा गया है कि संस्थान परिसर के गेट नंबर 5 के पास बिना अनुमति बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई. एफआईआर में शुगर इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर सीमा पारोहा, प्राइवेट सिक्योरिटी कमांडर उदय प्रताप सिंह राठौर, एस्टेट ऑफिसर विनय कुमार, फार्म मैनेजर अशोक कुमार और एक लकड़ी व्यापारी कंपनी सहित कुछ अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है. यहां अधिकारियों ने कटाई करने के लिए साल 2025 में वन विभाग से सिर्फ 9 पेड़ काटने की अनुमति मांगी थी, लेकिन 2026 में इस आधार पर संस्थान के अंदर 722 पेड़ों को साफ कर दिया गया. वन विभाग के अनुसार, पहले कर्मचारियों की शिकायतों के बाद मामला सामने आया. जब 27 मई को वन विभाग की टीम परिसर पहुंची तो सुरक्षा कर्मियों ने यह कहकर एंट्री से रोक दिया कि डायरेक्टर की परमिशन के बिना अंदर नहीं जाने दिया जा सकता. इसके बाद 2 जून को वन विभाग की टीम ने फिर से निरीक्षण किया, इस बार डायरेक्टर की मौजूदगी में जांच में अधिकारियों को ऐसे सबूत मिले, जिनसे पता चला कि पेड़ों की कटाई कई महीनों से चल रही थी और लकड़ी को रात के समय परिसर से बाहर ले जाया गया. एफआईआर के अनुसार, कुल 655 बड़े पेड़ और 67 छोटे झाड़ीनुमा पौधे काटे गए. इनमें नीम, शीशम, यूकेलिप्टस, गुलमोहर, गूलर, सिरीस और बॉटल ब्रश जैसी प्रजातियां शामिल थीं. निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को 377 ठूंठ मिले, जिन्हें लगभग छह महीने पुराना बताया जा रहा है.

ट्रेन में पैसे वाले किन्नर असली नहीं, 6 महीने में पकड़े गए 60 नकली हिजड़े, आरपीएफ ने पकड़ा तो सभी मर्द निकले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर । मध्यप्रदेश के जबलपुर और उसके आसपास के रेलवे स्टेशनों पर नकली किन्नर सक्रिय हैं। ये लोग ट्रेनों में अवैध रूप से वसूली करते हैं। आरपीएफ का कहना है कि ये लोग गैंग बनाकर ट्रेनों में वसूली कर रहे हैं।

आरपीएफ ने इन तीन किन्नरों को किया गिरफ्तार

जबलपुरः ट्रेनों में आपसे पैसे मांगने वाले किन्नर असली नहीं हैं। ये खुलासा जबलपुर आरपीएफ की कार्रवाई में हुई है। छह महीने के अंदर 60 से अधिक ऐसे युवक पकड़े गए हैं, जो ट्रेनों में नकली किन्नर बनकर लोगों से रुपए मांगते हैं। इनसे पूछताछ के दौरान पता चला कि ये लोग बेरोजगारी की वजह से ऐसा कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिम मध्य रेलवे का मुख्यालय जबलपुर में है। तीन जून को रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स की तरफ से ट्रेनों में स्पेशल अभियान किन्नरों के खिलाफ चलाया गया था। आरपीएफ को लगातार शिकायत मिल रही थी कि किन्नर यात्रियों को परेशान कर रहे हैं। साथ ही उनसे अवैध वसूली की जा रही है। इसके बाद अलग-अलग ट्रेनों में चेकिंक अभियान चलाया गया।

इसी दौरान पकड़े गए नकली किन्नर

जांच के दौरान आरपीएफ की टीम ने तीन किन्नरों को पकड़ा। इन किन्नरों से पूछताछ की गई तो पता चला कि ये किन्नर महिलाएं नहीं हैं, बल्कि पुरुष हैं। इनलोगों ने किन्नर का वेशभूषा धारण कर रखा है। किन्नर बनकर ट्रेन में यात्रियों से सभी युवक रुपए वसूल रहे हैं। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किए गए युवकों ने आरपीएफ को बताया है कि हमलोग घर से पैंट-शर्ट पहनकर निकलते थे। रेलवे स्टेशन पर पहुंचने से पहले रास्ते में ड्रेस चेंज कर लेते थे। सलवार शूट या फिर साड़ी पहन लेते थे। इसके बाद मेकअप करते और माथे में सिंदूर लगा लेते थे। फिर चलने का तरीका और बोलचाल ऐसा कि कोई भी धोखा खा जाता था। पकड़े गए आरोपियों का नाम आशी, माही और तरन्नुम है। किन्नर के रूप में तीनों का यही नाम है। ये सभी जबलपुर के गायत्रीनगर में किराए के मकान में रहते हैं। ट्रेनों में रुपए मांगने के बाद तीनों अपने कमरे पहुंच जाते थे। मीडिया से बात करते हुए पकड़े गए एक युवक आशीष ने बताया कि नौकरी के लिए कई शहरों में भटका। लेकिन काम नहीं मिला। इसके बाद ट्रेनों में किन्नर बनकर रुपए मांगने का काम शुरू किया। महीने की कमाई 50 से 60 हजार रुपए तक हो जाती है। ट्रेनों में जो यात्री कैश में इन्हें रुपए नहीं दे पाते हैं, उनके लिए क्यूआर कोड रखते हैं। कई लोग ऐसे मिलते हैं जो कहते हैं कि हम जेंडर चेंज करवा लेंगे। कहते हैं कि हमारे पास काम नहीं है तो हम क्या करें। राजीव खरब, आरपीएफ थाना प्रभारी, जबलपुर यूपी-बिहार के रहने वाले हैं

दूसरे की MBBS डिग्री पर बन गए एमपी में डॉक्टर, खुलासे से हिला सिस्टम; नौ उम्मीदवारों पर केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश संविदा पर नौकरी पाने के लिए डॉक्टरों ने फर्जी दस्तावेज जमा किए हैं। बीते दिनों दमोह में तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद कई अन्य रडार पर हैं। इसके बाद भोपाल की चुनाभट्टी पुलिस ने ऐसे नौ डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एनएचएम अधिकारियों की शिकायत पर एफआईआर

दरअसल, बुधवार को नेशनल हेल्थ मिशन के अधिकारियों ने शिकायत की थी। इसके बाद मामला दर्ज किया गया है। इनकी नियुक्ति के दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई गई थी। एसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि एनएचएम कम्युनिटी हेल्थ सेंटर्स , प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स और डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल्स और मेडिकल कॉलेजों के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर डॉक्टरों की भर्ती करता है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार अपने डॉक्यूमेंट्स के साथ ऑनलाइन अप्लाई करते हैं और सिलेक्शन से पहले वॉक इन इंटरव्यू में शामिल होते हैं।

81 डॉक्टरों की हुई थी नियुक्ति

जनवरी से मई के बीच 81 डॉक्टरों को कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त किया गया था। रिकॉर्ड की जांच के दौरान, अधिकारियों को पता चला कि नौ कैंडिडेट्स ने कथित तौर पर नकली डॉक्यूमेंट्स जमा किए थे। वेरिफिकेशन में यह पाया गया कि कैंडिडेट्स के नाम पर जमा किए गए कुछ एमपी मेडिकल कार्डसिल रजिस्ट्रेशन नंबर असल में दूसरे डॉक्टरों के नाम पर रजिस्टर्ड थे। आलोक श्रीवास्तव, एसीपी, चुनाभट्टी

अलग-अलग व्यक्तियों के एमबीबीएस सर्टिफिकेट

कुछ मामलों में यह पाया गया कि एमबीबीएस की डिग्री अलग-अलग व्यक्तियों के थे। आरोपियों ने कथित तौर पर असली डॉक्यूमेंट्स की नकली या हूबहू कॉपी तैयार कीं और नौकरी पाने के लिए उसका इस्तेमाल किया।

जांच के दौरान सामने आईं गड़बड़ियां

पुलिस ने बताया कि नियुक्ति के बाद वेरिफिकेशन में इनकी गड़बड़ियां सामने आईं। एनएचएम की शिकायत के आधर पर, धोखाधड़ी, जालसाजी और नकली डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। जांच करने वाले अधिकारी सभी नौ आरोपी डॉक्टरों की एजुकेशनल क्वालिफिकेशन, मेडिकल रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड और अपॉइंटमेंट डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रहे हैं।

इंदौर में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के शोरूम में भीषण आग, लकड़ी की सीढ़ियों को जोड़कर दूसरी बिल्डिंग में रेस्क्यू किए गए लोग

इंदौर में इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम में भीषण आग लगी, सभी वाहन जले, लोग सुरक्षित निकाले गए.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में शहर के पूर्वी क्षेत्र में स्थित शोरूम में भीषण आग लग गई. शोरूम में रखे हुए सभी वाहन जलकर खाक हो गए. इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम की उपरी मंजिल पर रहने वालों को सुरक्षित बाहर निकाला गया. शोरूम के आस-पास के लोगों ने आग बुझाने में फायर ब्रिगेड की मदद की. इलेक्ट्रिक वाहन के शोरूम के ऊपरी मंजिल पर लोग रहते थे. आग लगने और बिल्डिंग से धुआं उठने के बाद ऊपर रहने वाले लोग फंस गए. इसके बाद उन्हें पड़ोस में रहने वाले लोगों ने लकड़ी की सीढ़ी लगाकर बचाया. जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसकी छत को बगल वाले घर की छत से सीढ़ियों के जरिए जोड़ दिया गया और लोगों को दूसरी छत पर ले जाया गया.

कई जगह से आईं आग लगने की खबरें

पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी के चलते देश के अलग-अलग इलाकों से आग से जुड़ी खबरें आ रही हैं. दिल्ली-एनसीआर से पिछले कुछ दिनों में इस तरह की कई घटनाओं की जानकारी सामने आई है. आज यानी शुक्रवार सुबह नोएडा के अलग-अलग इलाकों में आग लगने की दो घटनाएं हुईं, जिसके बाद फायर डिपार्टमेंट ने तुरंत कार्रवाई की.

सेक्टर 75 की एक रिहायशी सोसाइटी, 'आइवी काउंटी' में भीषण आग लग गई. आग की लपटों ने एक ऊंची इमारत की 12वीं मंज़िल पर बने फ्लैट को अपनी चपेट में ले लिया. आग लगने की सूचना मिलते ही फायर डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया. आग लगने की वजह का तुरंत पता नहीं चल सका. बाद में फायरफाइटर्स ने आग पर काबू पा लिया. इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है. इसी बीच, सेक्टर 75 वाली घटना वाली जगह से करीब 15 मिनट की दूरी पर, सेक्टर 52 के शताब्दी विहार (श्व-3) में एक पेइंग गेस्ट अकोमोडेशन में भी आग लगने की खबर मिली. अधिकारियों के मुताबिक, इस बिल्डिंग की ग्राउंड फ्लोर पर एक रेस्टोरेंट है, जबकि ऊपर की मंज़िलों का इस्तेमाल PG के तौर पर किया जाता है. आग लगने की सूचना मिलने के बाद मौके पर दो फायर टेंडर भेजे गए.

'धर्म सेवा करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करें', राजा भैया ने इस अंदाज में दी CM योगी को जन्मदिन की बधाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर राजनीतिक गलियारों में शुभकामनाओं का सिलसिला देखने को मिला। सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ-साथ अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके नेतृत्व, प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। इसी क्रम में रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी।

राजा भैया ने दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि श्रद्धेय गोरक्षनाथ पीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की अनंत मंगलकामनाएं। उन्होंने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की कि उनकी कृपा मुख्यमंत्री पर सदैव बनी रहे और वह धर्म एवं समाज सेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम से मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की।

युवती ने नशे में किया बीच चौराहे पर हंगामा, आधे घंटे तक लगा रहा जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। उत्तरप्रदेश के हापुड़ क्षेत्र में मेरठ तिराहे पर एक युवती ने नशे में धुत होकर सड़क के बीचों-बीच हंगामा करना शुरू कर दिया। इस हंगामे की वजह से सड़क पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। राहगीरों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को हिरासत में लेकर थाने ले आई। सड़क पर काफी देर तक यह पूरा हंगामा चलता रहा।

जयपुर की रहने वाली है युवती

जानकारी के मुताबिक, राजस्थान के जयपुर निवासी 27 वर्षीय युवती नोएडा की प्राइवेट कंपनी में जॉब करती हैं। बुधवार देर रात वह हापुड़ मेरठ तिराहे पर उतर गई। चश्मदीदों के मुताबिक, महिला ने पास के ठेके से शराब लेकर पी और फिर सड़क पर हंगामा करने लगी। युवती को ड्रामा करते देख वहां लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। युवती का सड़क पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। राहगीरों ने युवती का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। युवती करीब आधे घंटे तक सड़क पर ड्रामा करती है, जिससे वहां जाम लग गया। वहां मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी।

युवती को कोतवाली ले गई पुलिस

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को कोतवाली ले गई। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि पुलिस युवती को नशे की हालत में कोतवाली ले आई। उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया है। गुरुवार सुबह एक रिश्तेदार थाने आए और युवती को अपने साथ ले गए।

दे मातरम' गाने से इनकार करने वाली कांग्रेस पार्षद को बड़ा झटका... फौजिया शेख की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थानीय अदालत ने कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम की गिरफ्तारी से पहले जमानत की अर्जी खारिज कर दी. उन पर आरोप है कि उन्होंने नगर निगम की बैठक के दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' गाने से इनकार कर दिया था. यह मामला 8 अप्रैल का है, जब इंदौर नगर निगम की बजट बैठक के दौरान पार्षद फौजिया शेख पर आरोप लगा कि उन्होंने 'वंदे मातरम' गाने से इनकार किया. इस घटना के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर विवाद खड़ा हो गया था. पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया. आरोप है कि यह कृत्य विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य फैलाने से जुड़ा हो सकता है. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रूपेश नायक ने सुनवाई के दौरान कहा कि उपलब्ध वीडियो फुटेज, शिकायतकर्ता के बयान और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोपों के लिए पर्याप्त आधार बनता है. इसी आधार पर अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. याचिका में फौजिया शेख की ओर से दावा किया गया था कि उन्होंने कभी 'वंदे मातरम' गाने से इनकार नहीं किया और उन्हें राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते झूठा फंसाया गया है. साथ ही यह भी कहा गया कि वह जांच में सहयोग कर रही हैं और उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. वहीं, दूसरे पक्ष ने कोर्ट में दलील दी कि अगर उन्हें अग्रिम जमानत दी जाती है तो वे जांच को प्रभावित कर सकती हैं, गवाहों को धमका सकती हैं या फरार हो सकती हैं. शिकायतकर्ता और अन्य गवाहों के बयानों, वीडियो फुटेज और जब्त किए गए डिजिटल मटीरियल की समीक्षा करने के बाद कोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया आरोपी ने अपराध किया है. कोर्ट ने गिरफ्तारी से पहले जमानत की अर्जी खारिज करते हुए कहा कि यह अपराध गैर-जमानती है और इसमें तीन साल तक की सजा हो सकती है. हालांकि, कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें. दिशा-निर्देशों के अनुसार, सात साल तक की सजा वाले अपराधों के लिए पुलिस को केवल मामला दर्ज होने के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार नहीं करना चाहिए, बल्कि गिरफ्तारी के ठोस कारण भी दर्ज करने चाहिए. 8 अप्रैल को इंदौर नगर निगम के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस पार्षद ने इस्लामी मान्यताओं का हवाला देते हुए वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया था. एक अन्य पार्षद रुबीना इकबाल खान ने भी इनकार कर दिया था. पुलिस ने 15 अप्रैल को दोनों महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था.

दिनभर मजदूरी कर परिवार के सपने संजोए, रात में मिट्टी के नीचे दब गई जिंदगी, सुबह दिखा पैर तो हुआ हादसे का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तरप्रदेश के गोरखपुर के भटहट स्थित दलाल चौराहे पर निर्माणाधीन फोरलेन के डिवाइडर पर सो रहे एक मजदूर की मिट्टी में दबकर मौत हो गई। गुरुवार सुबह मिट्टी के ढेर से पैर बाहर दिखने पर घटना का खुलासा हुआ। सड़क निर्माण में मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाला एक मजदूर उसी निर्माण कार्य की भेंट चढ़ गया। गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट स्थित दलाल चौराहे पर निर्माणाधीन फोरलेन के डिवाइडर पर सो रहे मजदूर की मिट्टी में दबकर मौत हो गई। गुरुवार सुबह मिट्टी के ढेर से एक पैर बाहर निकला दिखाई देने पर घटना का खुलासा हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मिट्टी हटवाकर शव बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार सुबह राहगीरों ने डिवाइडर पर पड़े मिट्टी के ढेर से मानव पैर बाहर निकला देखा। आशंका होने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी और मजदूरों की मदद से मिट्टी हटवाई तो उसके नीचे एक व्यक्ति का शव मिला। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि मृतक सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी करता था। बुधवार रात वह अत्यधिक थकान के कारण निर्माणाधीन फोरलेन के डिवाइडर पर ही सो गया था। इसी दौरान डंपर से मिट्टी गिराई गई और वह उसके नीचे दब गया। आशंका है कि दम घुटने से उसकी मौत हो गई। देवरिया का रहने वाला था मृतक पुलिस ने मृतक की पहचान 35 वर्षीय मिंटू के रूप में की है। वह मूल रूप से देवरिया जिले का निवासी था और पिछले करीब पांच वर्षों से गुलरिहा क्षेत्र के तरकुलहां में अपनी ससुराल में रह रहा था। परिजनों के मुताबिक वह पिछले 10 दिनों से जंगल कौड़िया क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा था। पुलिस को घटनास्थल से एक झोला भी मिला है, जिसमें रोटी-सब्जी, मोबाइल चार्जर, शॉल, चिलम और देसी शराब का पाउच बरामद हुआ है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मिंटू की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार में पत्नी नीता देवी, आठ वर्षीय बेटा कृष और चार वर्षीय बेटी गुड़िया हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों ने भी घटना पर दुख जताते हुए निर्माण

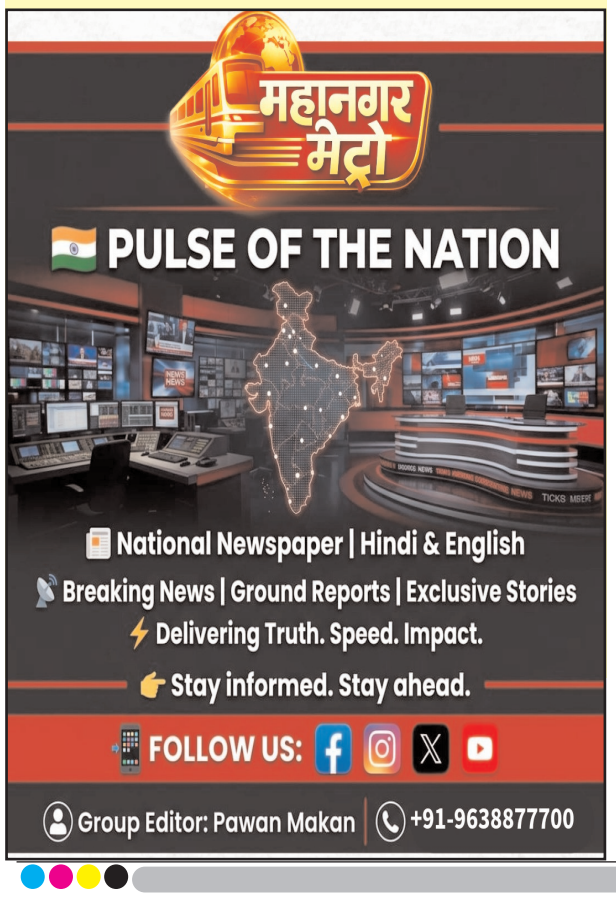

दिल्ली यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर की हत्या, फ्लैट के अंदर मिला शव; जांच में जुटीं कई टीमें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी की एक असिस्टेंट प्रोफेसर की गुरुवार दोपहर वसुंधरा एन्क्लेव स्थित फ्लैट में हत्या कर दी गई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मृतक देवस्मिता पॉल दिल्ली यूनिवर्सिटी के शिवाजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर थीं और वसुंधरा एन्क्लेव के एक फ्लैट में अकेली रहती थीं। पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजीव कुमार ने बताया कि दोपहर करीब 2:35 बजे एक महिला ने फोन पर सूचना दी कि उसकी बहन की हत्या कर दी गई है और उसका शव फ्लैट के अंदर पड़ा हुआ है। पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां फोन करने वाली महिला देवरति पॉल ने अधिकारियों को बताया कि वह अपनी बहन को सुबह से बार-बार फोन कर रही लेकिन उससे संपर्क नहीं हो पा रहा।

बाहर से बंद था फ्लैट

देवरति ने पुलिस को बताया कि फ्लैट बाहर से बंद था और किसी अनहोनी की आशंका के चलते उसने ताला तोड़ा और फ्लैट के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उसने अपनी बहन को घर में मृत पाया और पुलिस को सूचित किया। फॉरेंसिक टीम ने की जांच डीसीपी ने बताया कि अपराध टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को घटनास्थल पर बुलाया गया। फ्लैट की विस्तृत जांच की गई और प्रासंगिक साक्ष्य व फॉरेंसिक नमूने एकत्र किए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा। अधिकारियों ने बताया कि मौत के सटीक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही चल पाएगा। इस संबंध में न्यू अशोक नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन किया गया है।

मालवीय नगर हादसे के बाद दिल्ली के एक और होटल के बेसमेंट में लगी आग, बड़ा हादसा टला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मालवीय नगर के बाद दक्षिणी दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव इलाके के हुमायूंपुर गांव स्थित एक होटल के बेसमेंट में बुधवार शाम आग लगने से हड़कंप मच गया। आग बेसमेंट में रखे फर्नीचर तक सीमित रही, जिसके चलते धुएं का गुबार पूरे इलाके में फैल गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, शाम 7:06 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पांच दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए करीब 15 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया।

आग लगने के कारणों की जांच शुरू

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक आग होटल के बेसमेंट में रखे फर्नीचर में लगी थी। समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने के कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

मालवीय नगर होटल हादसे में 21 लोगों की हुई मौत

बता दें कि एक दिन पहले बुधवार को दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित एक होटल में भी भीषण आग लगी थी, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। उस दर्दनाक हादसे के बाद राजधानी में होटल और व्यावसायिक भवनों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। ऐसे में हुमायूंपुर की ताजा घटना ने एक बार फिर फायर सेफ्टी मानकों और आपातकालीन तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

आणंद जिले के सरसा गांव में गांववालों ने एनवायरनमेंट बचाने के लिए सरकार के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। गांव में प्रपोज़्ड इथेनॉल प्रोडक्शन फैक्ट्री के खिलाफ आज सतकेवल मंदिर में एक स्पेशल ग्राम सभा हुई। अखिल भारतीय संत समिति के चेयरमैन और सतकेवल मंदिर के महंत गादीपति पूज्य अविचलदास महाराज की अध्यक्षता में हुई ग्राम सभा में आणंद के MP मितेश पटेल, पूर्व MLA जयंत पटेल, ग्राम पंचायत के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में गांववाले शामिल हुए। ग्राम सभा में एकमत से गांव में इथेनॉल फैक्ट्री न बनाने का प्रस्ताव पास किया गया। वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के दिन गांववालों ने एनवायरनमेंट बचाने का शंखनाद करते हुए सरकार को चेतावनी भी दी है। क्या है पूरा विवाद, देखें यह स्पेशल रिपोर्ट। वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के दिन एनवायरनमेंट बचाने के लिए पूरा गांव एक मंच पर इकट्ठा हुआ। गांव में प्रपोज़्ड इथेनॉल प्रोडक्शन फैक्ट्री के खिलाफ गांववालों में बहुत गुस्सा था। ग्राम सभा में एकमत से प्रस्ताव पास किया गया जिसमें सरकार से गांव में इथेनॉल फैक्ट्री न बनाने की मांग की गई। सरसा गांव में कोरनोल एग्रो फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड ने इथेनॉल बनाने की फैक्ट्री लगाने का काम शुरू किया था। ज़मीन को सेक्शन 65 के तहत इंडस्ट्रियल कामों के लिए नॉन-एग्रीकल्चरल परमिशन दी गई थी। उसके बाद टाउन प्लानिंग ऑफिस में इंडस्ट्रियल शेड का नक्शा पास हुआ और उसके आधार पर ग्राम पंचायत से कंस्ट्रक्शन की परमिशन भी ले ली गई। हालांकि, गांव वालों के मुताबिक, शुरू में लगा था कि सिर्फ इंडस्ट्रियल शेड ही बनेगा, लेकिन बाद में जब इथेनॉल बनाने की फैक्ट्री बनने की जानकारी मिली तो गांव में विरोध का तूफान खड़ा हो गया। अविचलदास महाराज ने सरकार को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के दिन एनवायरनमेंट को खतरे में डालने वाले प्रोजेक्ट को मंजूरी देना दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर सरकार ने यह मंजूरी वापस नहीं ली तो आने वाले समय में एक बड़ा जनआंदोलन खड़ा होगा और सरकार को खुद लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। दूसरी ओर, आणंद के MP मितेश पटेल ने गांव वालों को भरोसा दिलाया कि वे लगातार सरकार के संपर्क में हैं और गांव की भावनाओं और मांगों को सरकार तक पहुंचाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं।

दुनिया उन्हीं की बात सुनती है जिनके पास ताकत है, नागपुर में क्या बोले RSS प्रमुख मोहन भागवत?

जिनके पास शक्ति होती है। केवल सच होना ही काफी नहीं है, सम्मान केवल शक्ति से ही मिलता है। दुनिया ऐसी है कि शक्तिशाली लोग अपनी मर्ज़ी से काम करते हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत कहते हैं कि हम अपने देश को समृद्ध बनाना चाहते हैं, क्योंकि दुनिया उन्हीं की बात सुनती है जिनके पास शक्ति होती है। केवल सच होना ही काफी नहीं है, सम्मान केवल शक्ति से ही मिलता है। दुनिया ऐसी है कि शक्तिशाली लोग अपनी मर्ज़ी से काम करते हैं। जबकि कमजोरों को झुकना पड़ता है। चाहे वह किसी देश को जीतना हो। बम गिराना हो या तेल की सप्लाई रोकना हो। यह सब शक्ति के कारण ही होता है। फिर भी भारत का लक्ष्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं। बल्कि सबका मार्गदर्शन करना और सबको सहारा देना है। और जब भारत अपने सिद्धांतों पर मजबूती से खड़ा होगा। जिसका नेतृत्व समाज को गढ़ने वाले सदाचारी लोग करेंगे। तो वह दुनिया को एक नया रास्ता दिखाएगा। यह रास्ता प्रभुत्व के ज़रिए नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक रूप से समर्पित राष्ट्र के तौर पर धर्म का प्रसार करके दिखाया जाएगा। कहां बोले संघ प्रमुख? नागपुर में आरएसएस के स्वयंसेवी प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया मानव शरीर, मन और बुद्धि का अलग-अलग विकास करना जानती है, लेकिन वह एक ऐसा ढांचा विकसित करने में विफल रही है, जो इन तीनों का एक साथ विकास कर सके। उन्होंने कहा कि दुनिया मानव शरीर के विकास के साथ-साथ मन और बुद्धि के विकास को भी जानती है। लेकिन दुनिया यह नहीं जानती कि इन तीनों मोर्चों पर प्रगति कैसे हासिल की जाए। दुनिया में चल रहे संघर्षों का जिक्र मौजूदा वैश्विक संघर्षों का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि इनका असर उन देशों पर भी पड़ता है, जो सीधे तौर पर इनमें शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध चल रहा है, लेकिन भारत में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि लोग अक्सर चुनौतियों और अनिश्चितताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी कठिन परिस्थितियों में मौजूद अवसरों को भी पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया व्यक्तिगत अधिकारों, सामाजिक हितों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर अब भी दुविधाओं में फंसी हुई है। भागवत ने कहा कि किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत अधिकार देने से समाज के हित से समझौता होता है। यदि समाज को शक्तियां दी जानी आवश्यक हों, तो व्यक्ति के अधिकारों का दमन होता है। संघ प्रमुख ने पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भौतिक विकास अक्सर प्रकृति की कीमत पर किया जाता है, जबकि पर्यावरण संरक्षण को अक्सर विकास में बाधा के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि भौतिकवादी विकास के लिए पर्यावरण का शोषण किया जाता है। और पर्यावरण की रक्षा के लिए (कुछ लोग मांग करते हैं कि) विकास रोक दिया जाए।

महाराष्ट्रः रिफाइंड तेल और एसेंस से बन रहा था नकली घी, 13 लाख का मिलावटी माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालना। महाराष्ट्र के जालना जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीर्थपुरी स्थित एक घी निर्माण इकाई पर छापा मारा. जांच में शुद्ध घी के नाम पर रिफाइंड सोयाबीन तेल और एसेंस मिलाकर नकली घी बनाए जाने का खुलासा हुआ. विभाग ने 13 लाख रुपये से अधिक का माल जब्त कर फैक्ट्री सील कर दी. महाराष्ट्र के जालना जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए घनसावंगी तहसील के तीर्थपुरी स्थित एक घी निर्माण इकाई पर छापा मारा है. इस कार्रवाई में 13 लाख रुपये से अधिक कीमत का 1 हजार 900 लीटर से ज्यादा मिलावटी घी और खाद्य तेल जब्त किया गया है. अधिकारियों ने कार्रवाई के दौरान संबंधित फैक्ट्री को अगले आदेश तक सील कर दिया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यहां शुद्ध घी के नाम पर मिलावटी उत्पाद तैयार कर बाजार में बेचे जा रहे थे. खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त तुकाराम मुंडे के निर्देश पर अधिकारियों की टीम ने तीर्थपुरी स्थित मुंदडा इंडस्ट्रीज में छापेमारी की. इस दौरान फैक्ट्री में चल रही उत्पादन प्रक्रिया और कच्चे माल की जांच की गई. जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि शुद्ध घी के नाम पर रिफाइंड सोयाबीन तेल और विभिन्न प्रकार के एसेंस का इस्तेमाल कर नकली घी तैयार किया जा रहा था. यह उत्पाद उपभोक्ताओं को असली घी के रूप में बेचे जाने की आशंका जताई गई है. छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने अलग-अलग ब्रांड के पैक्ड घी के पांच नमूने, खुले में रखा गया घी, रिफाइंड सोयाबीन तेल और इस्तेमाल किए जा रहे एसेंस सहित कुल आठ खाद्य नमूने एकत्र किए. इन सभी नमूनों को प्रयोगशाला में परीक्षण और विश्लेषण के लिए भेज दिया गया है. रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि उत्पादों में किस स्तर तक मिलावट की गई थी. कार्रवाई के दौरान विभाग ने 1 हजार 121.8 लीटर पैक्ड घी 663.8 लीटर खुला घी और 118 लीटर रिफाइंड सोयाबीन तेल बरामद किया. कुल मिलाकर 1 हजार 903.6 लीटर सामग्री जब्त की गई. अधिकारियों के अनुसार, जब्त किए गए माल की कुल कीमत 13 लाख 4 हजार 539 रुपये आंकी गई है. इतनी बड़ी मात्रा में मिलावटी सामग्री मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है. फिलहाल जब्त सामग्री को कब्जे में लेकर आगे की जांच की जा रही है. विभाग यह भी पता लगाने में जुटा है कि यह माल किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जा रहा था.

रिपोर्ट के बाद होगी कानूनी कार्रवाई

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित संचालकों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही संबंधित आस्थापना को अगले आदेश तक सील कर दिया गया है ताकि जांच पूरी होने तक उत्पादन और वितरण की गतिविधियां बंद रहें. स्पर्ष्वाई जारी रहेगी. जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष जांच अभियान लगातार चलाया जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

'कंट्री हेड से शारीरिक संबंध बनाने को कहा, शेख से शादी करवाने की बात', TCS के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित विप्रो कैंपस में काम कर चुकी एक महिला ने अपनी पूर्व महिला सहकर्मी पर धार्मिक आधार पर उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का दावा है कि लगातार मानसिक प्रताड़ना और दबाव के कारण उसे नौकरी छोड़नी पड़ी। महिला ने बेंगलुरु निवासी पूर्व सहकर्मी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और मामले में न्याय की मांग करते हुए राज्य मानवाधिकार आयोग का भी दरवाजा खटखटाया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि ये लोग हिंदू महिलाओं को अपने जाल में फंसाते हैं और उन पर दबाव डालते हैं। इससे उन्हें उनकी मांगें मानने या अपनी नौकरी छोड़ने में से किसी एक को चुनना पड़ता है। पिछले दस महीनों में मैंने जिस भारी उत्पीड़न और यातना को सहा है, उसे मुझे सबके सामने लाना ही था जब हम इन घटनाओं की रिपोर्ट कंपनी को करते हैं, तो वे उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं और मामला बाद में दबा दिया जाता है। शाहिना रफीक ने नौकरी के मेरे पहले ही दिन से मुझे परेशान करना शुरू कर दिया था। उसने मुझे कंट्री हेड रामकुमार के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए राजी करने की कोशिश की। उसने ऐसा इसलिए किया ताकि उस संपर्क का इस्तेमाल करके मेरा दुबई में तबादला हो सके। जहां वह मेरी शादी किसी शेख से करवा सकती थी, जिससे मेरी आर्थिक तरक्की और यौन संतुष्टि पक्की हो जाती। विप्रो का आया जवाब पूर्व कर्मचारी के धर्मांतरण के लिए दबाव डालने और जबरन इस्तीफे के कथित आरोपों पर आईटी कंपनी विप्रो ने गुरुवार को कहा कि उसने पुणे पुलिस के साथ सभी जरूरी दस्तावेजों को शेयर कर दिया है और इस मामले की जांच में पूरा सहयोग कर रही है। कंपनी ने कहा कि वह चल रही जांच में पूरा सहयोग कर रही है और एक सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे कार्यों के प्रति जीरो-टोलरेंस की नीति आईटी कंपनी ने कहा कि विप्रो में, कर्मचारियों का कल्याण, गरिमा और सम्मान सर्वोपरि है। हम किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार, भेदभाव, उत्पीड़न या ऐसे कार्यों के प्रति जीरो-टोलरेंस की नीति अपनाते हैं जो किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं। कंपनी ने आगे कहा कि मामला फिलहाल जांच के अधीन है, इसलिए हम मामले की विशिष्टताओं पर टिप्पणी नहीं कर सकते। हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुलिस के पास दर्ज शिकायत में महिला ने कहा कि उसे धार्मिक उत्पीड़न का शिकार बनाया गया और उसके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उस पर इस्तीफा देने का दबाव डाला गया। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया है कि एक महिला सहकर्मी ने बार-बार उस पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव डाला, यह कहते हुए कि इससे उसकी जीवनशैली और भविष्य के अवसर बेहतर होंगे।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में महायुति का दबदबा, 17 में 6 सीटें निर्विरोध जीतीं, फडणवीस की रणनीति पड़ी भारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में सत्तारूढ़ महायुति का दबदबा सामने आया है। महायुति ने कुल 17 सीटों में 6 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल करके विपक्षी खेमे (एमवीए) को बैकफुट पर धकेल दिया है। बीजेपी के अगुवाई वाले महायुति को यह जीत तब मिली है जब महाविकास आघाड़ी के 15 में 6 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान छोड़ दिया। महायुति के छह सीटों पर दबदबे से एक बार फिर देवेंद्र फडणवीस मजबूत बनकर उभर हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि महायुति ने सत्ता के जोर पर ऐसा किया। राजनीतिक हलकों में दावा किया जा रहा है कि विधान परिषद चुनावों में विपक्ष को झटका देने की रणनीति काफी पहले ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बना ली थी। पिछले कई चुनावों में शिकस्त के बाद अगर इन चुनावों में एमवीए का सूपड़ा साफ होता है तो कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार और शिवसेना यूबीटी) की मुश्किलें और बढ़ेंगी। महायुति को छह सीटों से जहां गुड न्यूज मिली है। उसने विपक्ष को चारो खाने चित कर दिया है तो वहीं महायुति को नासिक और जलगांव की दो सीटों पर अंदरूनी असंतोष का सामना करना पड़ रहा है।शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने चुनाव प्रक्रिया को पैसे का खेल करार दिया और आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक मुकाबले पर पैसे की ताकत हावी हो गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने महायुति पर पैसे की ताकत के दुरुपयोग का आरोप लगाया और स्थिति को 'पैसा फेंको, तमाशा देखो' जैसा बताया।

महायुति ने निर्विरोध जीती सीटें:

1) **ठाणे:** रवींद्र फाटक (शिंदे सेना)

2) **रायगढ़-रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग:** अनिकेत तटकरे (अजित पवार NCP)

3) **पुणे:** विक्रम काकड़े (अजित पवार NCP)

4) **चंद्रपुर-वर्धा-गढ़चिरौली:** अरुण लखानी

5) **यवतमाल:** दुष्यन्त चतुर्वेदी (शिंदे सेना)

6) **अहिल्यानगर:** प्राजक्त तनपुरे

महायुति के छह सीटों पर निर्विरोध होने से बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी को दो-दो सीटें मिली हैं। ठाणे से शिवसेना के रवींद्र फाटक और यवतमाल से दुष्यंत चतुर्वेदी चुने गए हैं। बीजेपी ने अहिल्यानगर और चंद्रपुर-वर्धा-गढ़चिरौली सीट पर जीत हासिल की है। यहां से क्रमशः प्राजक्त तानपुर और व्यवसायी अरुण लाखानी जीते हैं। एनसीपी को रायगढ़-रत्नागिरी-सिंधु दुर्ग और पुणे की सीटें मिली हैं। यहां से अनिकेत तटकरे और विक्रम काकड़े निर्वाचित हुए हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) की 16 स्थानीय प्राधिकरण सीटों और 1 नागपुर उपचुनाव सीट के लिए मतदान 18 जून 2026 को वोटिंग की तारीख तय की है। वोटों की गिनती 22 जून 2026 को की जाएगी।

6 जून के प्रदर्शन से पहले कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर की नई अपील, समर्थकों से क्यों कहा- दिल्ली एयरपोर्ट न आएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने पिछले दिनों कहा था कि वो दिल्ली लौट रहे हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से दिल्ली एयरपोर्ट पर मिलने की अपील भी की थी। हालांकि, अब दिल्ली लौटने से ठीक पहले उन्होंने इस प्लान में बड़ा बदलाव किया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने समर्थकों से खास अपील की है। सीजेपी ने सपोर्टर्स से कहा है कि पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के अमेरिका से लौटने पर उनके स्वागत के लिए इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इकट्ठा नहीं हों।

CJP के प्लान में क्यों हुआ बदलाव?

कॉकरोच जनता पार्टी यह अपील अभिजीत दीपके की उस पिछली अपील से अलग है जिसमें उन्होंने समर्थकों को 6 जून को एयरपोर्ट पर उनसे मिलने के लिए बुलाया था। इसी दिन पार्टी ह्श्वश्वञ्ज पेपर लीक विवाद को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रही है।

एयरपोर्ट पर बढ़ सकती है भीड़

CJP ने कहा कि एयरपोर्ट पर लोगों की भारी भीड़ से कामकाज में रुकावट आ सकती है। इससे यात्रियों और सुरक्षाकर्मियों, दोनों के लिए मुश्किलें पैदा हो सकती हैं। कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से कहा गया कि इतने सारे लोगों का एयरपोर्ट पर इकट्ठा होना मुमकिन नहीं है, क्योंकि इससे आम लोगों और सुरक्षा बलों को परेशानी होगी। इसलिए कृपया दिल्ली एयरपोर्ट न आएं। सीजेपी ने समर्थकों को एयरपोर्ट पर इकट्ठा होने के बजाय यह बताया गया कि दीपके जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन की अनुमति लेने के लिए खुद पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाएंगे। एक्स पोस्ट के साथ जुड़े वीडियो में दीपके ने कहा कि उनकी अपील पर उम्मीद से कहीं ज्यादा लोगों ने प्रतिक्रिया दी है.

देहरादून से आंटी से मिलने दिल्ली आई भतीजी लेकिन..., विदेश परिवारों को मिला और गहरा जख्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मालवीय नगर के होटल में लगी भीषण आग सिर्फ एक हादसा नहीं बल्कि कई हंसते-खेलते परिवारों की बर्बादी की दास्तां बन गई है। इस अग्निकांड ने अपनों के इलाज की उम्मीद में सात समंदर पार से भारत आए विदेश परिवारों को ऐसे जख्म दिए हैं जो शायद उम्र भर न भर सकें। हादसे में जान गंवाने वाली लाइबेरिया की 61 वर्षीय जंजाय एन रोलैंड की कहानी कुछ ऐसी ही है। गुरुवार को एम्स मोर्चरी के बाहर आंसुओं से भीगी अपनी आंखों की भतीजी मारिया ने बताया कि जंजाय एन रोलैंड अपने पति के इलाज के लिए लाइबेरिया से दिल्ली आई थी। उनके पति गंभीर बीमारी के चलते साकेत के मैक्स अस्पताल में भर्ती हैं और खुद आंटी इसी होटल में तहरी हुई थीं।

लाइबेरिया ले जाएंगे पार्थिव शरीर

मारिया ने कहा, मेरी आंटी और अंकल यहां इलाज के लिए आए थे। आंटी होटल में रुककर अंकल की देखभाल कर रही थीं। मेरी इस हफ्ते उनसे मुलाकात होनी थी, लेकिन मिलने से पहले ही वह दुनिया छोड़कर चली गई। अंकल खुद अभी अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने ही मुझे रोते हुए अस्पताल से फोन किया और कहा कि बेटा, एम्स जाओ और पहचान करो कि क्या वो तुम्हारी आंटी ही है। ऑटी की पहचान हो गई है और अब मैं अंकल के पास जा रही हूं। एम्स पहुंची मारिया ने रोते हुए बताया कि वह 2 साल से देहरादून में रहकर पढ़ाई कर रही हूं। मैं अपनी आंटी से मिलने के लिए बेहद उत्साहित थी और इस हफ्ते उनकी मुलाकात तय थी।

दिल्ली पुलिस में बड़ा फेरबदल, 34 IPS समेत कई अधिकारियों का ट्रांसफर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी से बड़ा अपडेट है। दिल्ली पुलिस में बड़ा फेरबदल किया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने कई आईपीएस और DANIPS अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला और तैनाती का आदेश दिया है। एक आदेश के अनुसार, पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के रूप में कार्यरत भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी शरद भास्कर दराडे को डीसीपी मुख्यालय-3 के पद पर तैनात किया गया है। पहले बाहरी-उत्तरी दिल्ली के डीसीपी रहे वी हरेश्वर स्वामी अब पश्चिम दिल्ली के डीसीपी का कार्यभार संभालेंगे। डीसीपी मुख्यालय-3 के पद पर आसीन जिमी चिराम को डीसीपी यातायात के रूप में नियुक्त किया गया है। राहुल अलवाल का तबादला स्वापक रोधी कार्यबल से उत्तर-पूर्वी दिल्ली के डीसीपी पद पर किया गया है। अन्य आईपीएस अधिकारियों में शोभित डी सक्सेना को डीसीपी बाहरी-उत्तर, निहारिका भट्ट को अतिरिक्त डीसीपी-1 उत्तर और नेहा यादव को डीसीपी पीएमएमसी के पद पर तैनात किया गया है। नेहा यादव के पास डीसीपी एसपीयूडब्ल्यूएसी का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा के डीसीपी पद पर तैनात जितेंद्र मणि को डीसीपी सुरक्षा के पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि ऐश्वर्या शर्मा का तबादला अतिरिक्त डीसीपी-1 दक्षिण-पूर्व से डीसीपी लाइसेंसिंग के पद पर किया गया है। अन्येश रॉय डीसीपी आईएफएसओ के पद पर बने रहेंगे। अन्येश रॉय के पास डीसीपी लाइसेंसिंग का अतिरिक्त प्रभार था।

वागरा झील के किनारे मिली चप्पलें, डूबने का शक: पुलिस और फायर ब्रिगेड ने शुरू की तलाश, लोगों की भीड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा। शक है कि वागरा गांव की मुख्य झील में एक अनजान आदमी डूब गया है। घटना का पता तब चला जब जुम्मा मस्जिद के सामने झील के किनारे संदिग्ध हालात में चप्पलें मिलीं। स्थानीय लोगों को झील के किनारे से मिली चप्पलों के आधार पर शक जताया जा रहा है कि डूबा हुआ आदमी कचरा बीनने वाला या मजदूर हो सकता है। हालांकि, अभी तक डूबे हुए आदमी की पहचान के बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं हुई है। घटना की खबर मिलते ही आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग झील के किनारे जमा हो गए। स्थानीय पुलिस भी हालात को कंट्रोल करने के लिए तुरंत मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीम को मौके पर बुलाने की पहल की है। झील में डूबे आदमी की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया जाएगा। इस घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की बहस और चर्चाएं चल रही हैं। अभी सबकी नज़रें रेस्क्यू ऑपरेशन और पुलिस की जांच पर टिकी हैं। ऑफिशियल जानकारी सामने आने के बाद ही पूरी घटना की असली वजह और फैक्ट्स साफ हो पाएंगे।

जालोर में जन अभियोग एवं सतर्कता समिति का गठन: रमेश सोनी पुनासा, दलाराम राणा और श्रवणसिंह राव सहित 10 सदस्य मनोनीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर (मुकेश सोलंकी)। आमजन की शिकायतों के त्वरित निवारण और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार के जन अभियोग निराकरण विभाग ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने जालोर जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति के लिए 10 नए सदस्यों का मनोनयन किया है। इस महत्वपूर्ण समिति में क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवियों और सक्रिय नेताओं को जगह दी गई है, जिससे स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं की सुनवाई को नई गति मिलेगी। जिला कलेक्टर एवं समिति अध्यक्ष के माध्यम से जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, जालोर जिले की इस उच्च स्तरीय समिति में 10 सदस्यों को मनोनीत किया गया है जिसमें रमेश सोनी पुनासा (विशिष्ट समाजसेवी एवं भाजपा नेता), दलाराम राणा आलड़ी (पूर्व सरपंच),श्रवणसिंह राव बोरली (पूर्व जिलाध्यक्ष),राजु सांखला, जितेंद्र सरगरा,दानाराम चौधरी, अमन देवेंद्र मेहता,किरण भारतीय,नारायण सिंह,सुजाराम प्रजापत शामिल हैं।

मथुरा में आईआईटी गुरु गिरफ्तार, महिलाओं के शोषण और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप

मथुरा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में धर्म और अध्यात्म की आड़ में महिलाओं के कथित शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने ओडिशा निवासी 29 वर्षीय अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार किया है, जो खुद को 卐आदिकर्ता नारायण दास卐 नाम से धार्मिक गुरु और कथावाचक के रूप में दिखाता था। उस पर महिलाओं को अपने प्रभाव में लेकर उनका यौन शोषण करने, आपत्तिजनक सामग्री के जरिए ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मिश्रा ने आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद आरोपी ने मथुरा के राधाकुंज क्षेत्र में रहकर धार्मिक प्रवचन देना शुरू। आरोपी सोशल मीडिया और 'राधा कृपा अमृत' नामक यूट्यूब चैनल के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच बनाई और खुद को आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित किया। लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवतियों से संपर्क करता था। पुलिस का आरोप है कि वह धीरे-धीरे उन्हें अपने प्रभाव में लेकर परिवार से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करता और फिर अपने साथ रहने के लिए तैयार कर लेता था। बताया जा रहा है कि उसके ठिकाने पर एक समय कई युवक और युवतियां साथ रह रहे थे।

लखनऊ गैंगरेप का मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पुलिस कार्रवाई में पैर में लगी गोली

लखनऊ (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मॉल कर्मचारी युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को देर रात हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान निगोहां क्षेत्र में उसकी घेराबंदी की गई, जहां आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हुआ और गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, रामादेई खेड़ा मार्ग पर चेकिंग अभियान के दौरान सर्विलांस टीम और पुलिस को आरोपी के आने की सूचना मिली थी। बताया गया कि उपदेश लोधी ऑटो से भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस को देखकर लोधी ने ऑटो भागने का प्रयास किया, लेकिन वाहन असंतुलित होकर पलट गया। इसके बाद आरोपी ने कथित रूप से पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी और आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया गया।

पीएम मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर सुर्खियों में आए खेड़ा को मिला राज्यसभा का टिकट

सीएम सरमा की पत्नी को लेकर विवादों में रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों की सूची में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम शामिल हो गया है। जिसकी राजनैतिक गलियारों में खूब चर्चा है। कर्नाटक से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाए गए खेड़ा का संसद के उच्च सदन में पहुंचना लगभग तय है। पार्टी के इस फैसले को कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपने सबसे सक्रिय, मुखर और संघर्षशील नेता को दिया गया महत्वपूर्ण राजनीतिक सम्मान बताया जा रहा है।

पवन खेड़ा बीते कई वर्षों से कांग्रेस की ओर से भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ सबसे प्रमुख आवाजों में शामिल रहे हैं। टीवी बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों और सार्वजनिक मंचों पर उन्होंने लगातार पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के वर्षों में उन्होंने खुद को कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ताओं में स्थापित किया है, जिसके चलते संगठन में उनका कद लगातार बढ़ा है।

वर्ष 2022 के राज्यसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद खेड़ा ने सोशल मीडिया पर निराशा जाहिर कर लिखा था कि शायद उनकी तपस्या में कोई कमी रही। उस समय उन्हें राज्यसभा नहीं भेजने को लेकर पार्टी के भीतर भी चर्चाएं हुई थीं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता को और बढ़ाया तथा कांग्रेस नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में अपनी जगह मजबूत की।

बीते कुछ वर्षों में खेड़ा कई राजनीतिक और कानूनी विवादों के केंद्र में भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े बयान को लेकर उनकी गिरफ्तारी राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही थी। इसके अलावा असम में दर्ज विभिन्न मामलों और कानूनी चुनौतियों के दौरान भी कांग्रेस नेतृत्व उनके समर्थन में खुलकर खड़ा दिखाई दिया। पार्टी के भीतर धारणा बनी कि खेड़ा ने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन का पक्ष मजबूती से रखा और राजनीतिक दबावों का सामना किया।

कांग्रेस के लिए राज्यसभा में प्रभावी वक्ताओं की जरूरत भी इस फैसले की एक महत्वपूर्ण वजह मानी जा रही है। खेड़ा अपनी तार्किक शैली, राजनीतिक मुद्दों पर पकड़ और आक्रामक प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। माना जा रहा है कि संसद में वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश जैसे नेताओं के साथ मिलकर विपक्ष की आवाज को और मजबूत किया जाएगा।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के करीबी माने जाने वाले खेड़ा लंबे समय से कांग्रेस संगठन का हिस्सा हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल से सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खेड़ा ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी है। कर्नाटक जैसी सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देना चाहता है। राज्यसभा का यह टिकट न केवल उनकी राजनीतिक यात्रा का अहम पड़ाव है, बल्कि कांग्रेस की संगठनात्मक प्राथमिकताओं और नेतृत्व की रणनीति को भी दर्शाता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्यों कहा... इस तरह से हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में पुलिस विभाग के आवासीय क्वार्टरों की जमीन पर निजी मालिकाना हक के दावे और कथित बिक्री से जुड़े मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि यदि इसतरह के दावों को स्वीकार किया, तब भविष्य में सार्वजनिक संस्थानों की संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं रहेगी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि जिस जमीन पर वर्षों से पुलिस विभाग का कब्जा है और जहां पुलिसकर्मी रह रहे हैं, उस जमीन को बेचने का दावा करना गंभीर मामला है। अदालत ने कहा, 卐अगर इस तरह की चीजों की अनुमति दी गई, तब आगे चलकर हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी। यह मामला शिवमोगा निवासी श्रीनाथ नगरगद्दे से जुड़ा है, जो पुलिस क्वार्टर की जमीन के कथित बिक्री प्रकरण में आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि जमीन पर उनके मुवक्किल का वैध मालिकाना हक है और पुलिस का वहां रहना पूरी तरह से अनधिकृत है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताकर कहा कि मामले की जांच जारी है और न्यायालय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगा। आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम. अरुण श्याम ने दावा किया कि जमीन वास्तव में एक अन्य आरोपी एम.आर. महालक्ष्मी की है। उनके अनुसार, महालक्ष्मी ने स्वयं को वैध मालिक बताकर कुछ लोगों के साथ बिक्री समझौते किए थे, जिन्हें बाद में आपराधिक मामले में आरोपी बनाया गया। वकील ने कहा कि सरकारी रिकॉर्ड और एन्कम्ब्रेन्स सर्टिफिकेट में भी संपत्ति का नाम कथित मालिकों के पक्ष में दर्ज है। बचाव पक्ष का कहना है कि 1950 से जमीन के रिकॉर्ड आरोपियों और उनके पूर्वजों के नाम पर दर्ज हैं। उन्होंने अदालत में चुनौती देकर कहा कि यदि राज्य सरकार जमीन पर अपने स्वामित्व का एक भी ठोस दस्तावेज पेश कर दे, तब उनके मुवक्किल मुकदमा वापस लेने को तैयार हैं। साथ ही, इस भूमि विवाद से जुड़े दो दीवानी मामले पहले से अदालतों में लंबित हैं।

लाखों अमरनाथ यात्रियों को मिलेगा डिजिटल सुरक्षा कवच

-जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लांच किया 'पहचान एप

जम्मू (एजेंसी)। आगामी अमरनाथ यात्रा को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'पहचान' नामक विशेष मोबाइल एप लांच किया है। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पहल का उद्देश्य यात्रा मार्ग पर सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों की पहचान और सत्यापन को आसान बनाना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं मिल सकें।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एप के तहत घोड़े वाले, पिट्ठू, पालकी संचालक, दुकानदार, स्थानीय सेवा प्रदाता और यात्रा से जुड़े अन्य लोगों का पंजीकरण होगा। पंजीकरण के बाद प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जाएगा। श्रद्धालु या अधिकारी इस कोड को स्कैन कर संबंधित व्यक्ति की पहचान, पंजीकरण स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियों का तुरंत सत्यापन कर सकते है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर वर्ष अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिसके चलते सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ जाती हैं। इसतरह 'पहचान' एप फर्जी पहचान वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे यात्रियों को केवल सत्यापित और अधिकृत सेवा प्रदाताओं से ही सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनकी सुरक्षा और विश्वास दोनों मजबूत होगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का मानना है कि यह व्यवस्था यात्रियों से अधिक शुल्क वसूलने, सेवा संबंधी विवादों और पहचान से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा प्रशासन को सेवा प्रदाताओं की निगरानी, भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने में सुविधा मिलेगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यात्रा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। 'पहचान' एप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि नई डिजिटल प्रणाली से अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन पर हाईकोर्ट की तत्काल सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण संबंधी निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इंकार किया है। याचिका में पुलिस को प्रदर्शन स्थल और आसपास के प्रवेश मार्गों पर विशेष सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

यह मामला तब चर्चा में आया है जब व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके भारत पहुंचने वाले हैं। बताया जा रहा है कि वह शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से रवाना हुए हैं। हालांकि, प्रदर्शन के लिए औपचारिक अनुमति लिए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सेव इंडिया फाउंडेशन की ओर से दायर

याचिका का उल्लेख अवकाशकालीन पीठ के समक्ष किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद प्रदर्शन और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दिपके ने मई में ऑनलाइन अभियान की शुरुआत की थी, जिसने सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रियता हासिल की। यह अभियान न्यायपालिका से जुड़ी टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था और देखते ही देखते बड़ी संख्या में युवाओं का ध्यान आकर्षित करने लगा। संगठन ने हाल ही में अपने प्रवक्ताओं की भी नियुक्ति की है और राजधानी में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर अपनी गतिविधियों को सार्वजनिक रूप से सामने रखा।

दिपके ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने समर्थकों से अपील की है कि वे दिल्ली हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए एकत्रित न हों। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखना है। उन्होंने संकेत दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर प्रदर्शन के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करने का प्रयास करने वाले है। इस बीच, प्रशासन संभावित भीड़ को देखते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस और अन्य एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियों का आकलन कर रही हैं। फिलहाल सभी की निगाहें शनिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम और उससे जुड़े घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं।

उमर की गोपनीय बैठक से बढ़ीं राजनीतिक चर्चाएं, विधायकों संग तय की आगे की रणनीति

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित की गई विशेष बैठक ने प्रदेश की राजनीति में नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। श्रीनगर से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित क्षेत्र को बैठक के लिए चुनने और वहां सीमित संचार सुविधा होने के कारण राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लग रहे हैं। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों, मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बैठक को सरकार और संगठन के कामकाज की समीक्षा के लिए आयोजित बताया। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल प्रशासनिक समीक्षा तक सीमित नहीं थी, बल्कि राज्य का दर्जा बहाल करने, पार्टी के राजनीतिक एजेंडे और संगठन के भीतर उभर रही चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के मुद्दे पर विशेष जोर दिया गया। पार्टी नेताओं ने माना कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दिया था, उन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य के अधिकारों की बहाली को लेकर और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की जरुरत है।

दीदी के नाम पर मलाई चाटने वाले नेता धोखेबाज निकले: महुआ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ता हाथ से निकलने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर छिड़ा आंतरिक कलह अब एक बड़े राजनीतिक संकट में तब्दील हो चुका है। पार्टी के बागी विधायकों के खेमे ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुन लिया है। इस बीच ममता बनर्जी को उस समय एक बड़ा झटका लगा, जब विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ बोस ने पार्टी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बंदोपाध्याय के नेतृत्व वाले 58 विधायकों के गुट को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता दे दी। इस पूरे घटनाक्रम पर अब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का तीखा बयान सामने आया है, जिन्होंने बागी विधायकों पर बेहद कड़ा प्रहार किया है।सांसद महुआ मोइत्रा ने बागी गुट के नेताओं और ऋतब्रत बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन नेताओं ने सालों तक ममता बनर्जी के नाम पर मलाई खाई, वही आज पार्टी की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं।

महुआ ने साफ शब्दों में कहा कि इन नेताओं को सिर्फ सत्ता में बने रहने की आदत हो चुकी है, यही वजह है कि ये लोग विपक्ष में रहकर संघर्ष करने के बजाय अपने लिए एक सेफ रूट तलाश रहे हैं। बागी विधायकों को खरी-खोटी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग किसी काम के नहीं हैं और पार्टी में रहकर सिर्फ

ममता दीदी के करिश्मे के भरोसे आगे बढ़ते रहे। उन्होंने बागियों को चुनौती देते हुए कहा, जाना है तो आज ही जाइए। ऋतब्रत कांग्रेस में शामिल हो जाइए या जो मन आए वो करिए, लेकिन खुद को तृणमूल कांग्रेस कहने का अधिकार आपको बिल्कुल नहीं है। इस दौरान महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर पार्टी को तोड़ने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि वे कभी तृणमूल के सिपाही हुआ करते थे, इसलिए उन्हें हर एक विधायक की कमजोरी अच्छी तरह पता है और भाजपा इसी का फायदा उठा रही है।

मोइत्रा ने दावा किया कि सबीना यास्मिन और जावेद खान जैसे नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों और गिरफ्तारी की धमकियां देकर डराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबीना यास्मिन को मोताबारी हिंसा के मामले में एनआईए द्वारा पकड़े जाने का डर दिखाया गया, जबकि जावेद खान को इलाके में अवैध निर्माण के मामले में उनके बेटे सहित गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि इन नेताओं में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद विपक्ष में बैठने की हिम्मत नहीं बची है।पार्टी के भीतर मचे इस भारी घमासान के बावजूद महुआ मोइत्रा ने भरोसा जताया कि टीएमसी बिखरने वाली नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी और उनका कोर ग्रुप ही असली पार्टी है और वे सभी मिलकर नए सिरे से शुरुआत करेंगे। चुनाव आयोग द्वारा बागी गुट को मान्यता दिए जाने और भविष्य में पार्टी सिंबल छिनने के खतरे पर मोइत्रा ने दृढ़ता से कहा, जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़ी थी, तब उन्होंने सिर्फ एक पेन और कागज उठाकर खुद यह सिंबल बनाया था और जीत हासिल की थी। जो महिला खुद अपना सिंबल बनाकर चुनाव लड़ सकती है और तीन बार मुख्यमंत्री बन सकती है, वह दोबारा लड़कर नया सिंबल भी बना लेगी। हमें इसकी कोई परवाह नहीं है, वे कोई भी तस्वीर या सिंबल ले लें, लेकिन वे कभी भी असली तृणमूल कांग्रेस नहीं बन पाएंगे।

गडकरी के हाथों होगा एशिया की सबसे लंबी जोजिला सुरंग का शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 9 जून को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सीमा पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग के शिलान्यास समारोह में शामिल हो रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला दर्रे को काटकर बनाई जाने वाली यह सुरंग कश्मीर के गांदरबल जिले के बाल्टल को लद्दाख के कारगिल जिले के मीनामार्ग से जोड़ेगी।

यह 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग तीन घंटे से अधिक के सफर को घटाकर मात्र 15 मिनट का करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 6,808.69 करोड़ है। पूरा होने पर, यह भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग होने के साथ-साथ 11,578 फीट की ऊंचाई पर

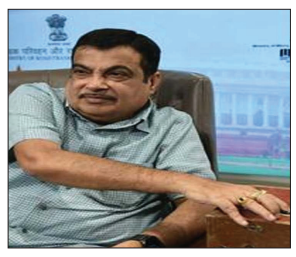

स्थित एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग भी बनेगी। यह परियोजना श्रीनगर और लेह के बीच सर्व-मौसम संपर्क स्थापित करने की भारत की योजना के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। इस सुरंग से लद्दाख क्षेत्र में तैनात बलों के लिए सैन्य गतिशीलता और रसद सहायता में उल्लेखनीय सुधार होगा, साथ ही यह क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। रणनीतिक दृष्टि से, यह नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट स्थित सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों और आपूर्ति की आवाजाही को भी तेज करेगी।

हालांकि, परियोजना ने अतीत में कई बाधाओं का सामना किया है। मई 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) को मिला ठेका जनवरी 2019 में कंपनी के वित्तीय संकट के कारण रद्द हुआ था। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने परियोजना को विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा के लिए भेजा, और रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद, जून 2020 में नए सिरे से बोलियां आमंत्रित की गईं। महामारी, पास के सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकवादी हमले और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के कारण भी परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई है। हालांकि, अधिकारी ने फरवरी 2028 की समय सीमा से पहले पहुंच मार्ग और वेंटिलेशन सिस्टम सहित पूरी सड़क परियोजना के चालू होने पर कोई अतिरिक्त जानकारी देने से इंकार किया।

बंगाल की बगावत से गदगद भाजपा, बदलेंगे संसद में समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ गया है कि पार्टी अब टूटने की कगार पर पहुंच गई है। टीएमसी के इस उभरते आंतरिक संकट ने न केवल राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी भी इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि यदि टीएमसी में विभाजन होता है, तो इसका सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को संसद में मिल सकता है, जहां कई महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए अतिरिक्त संख्या बल की आवश्यकता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है, बल्कि असली ध्यान संसद में अपनी स्थिति को मजबूत करने पर है। यदि टीएमसी का असंतुष्ट गुट अलग होकर नया समूह बनाता है, तो उसके सांसद राष्ट्रीय हितों से जुड़े मसलों पर एनडीए सरकार का समर्थन कर सकते हैं। टीएमसी के भीतर मतभेद उस समय खुलकर सामने आए जब कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किए गए नेता रितब्रत बनर्जी ने पार्टी के 80 में से 58 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए विपक्ष के नेता पद पर अपना दावा ठोक दिया। बाद में उन्होंने इस संख्या के 60 तक होने की बात कही, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती है।

बीजेपी इस स्थिति की तुलना महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विभाजन से कर रही है, जिसने वहां राजनीतिक समीकरण बदल दिए थे। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) में हुए हालिया घटनाक्रम का भी हवाला दिया जा रहा है, जहां राज्यसभा के कई सांसद अलग होकर सरकार के करीब आए। संसद में संख्या बल बढ़ाने की यह कवायद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अप्रैल में लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण और सदन की सदस्य संख्या 545 से बढ़ाकर 850 करने से संबंधित संविधान (131वां संशोधन) विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत न मिलने के कारण पारित नहीं हो सका था। इसके अलावा सरकार वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक को भी आगे बढ़ाने की तैयारी में है।

इसी रणनीति के तहत भाजपा दक्षिण भारत में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के साथ भी संपर्क बढ़ाने की कोशिशों में जुटी है। गृह मंत्रालय परिसीमन विधेयक का ऐसा नया मसौदा तैयार कर रहा है, जिससे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर किया जा सके। पूर्व में कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके समेत पूरे विपक्षी गठबंधन ने एकजुट होकर इस विधेयक का विरोध किया था। वर्तमान में टीएमसी के 28 और डीएमके के 22 सांसद हैं। यदि विपक्षी दलों में मतभेद उभरते हैं और टीएमसी का असंतुष्ट गुट एनडीए के पक्ष में आता है, तो सरकार के लिए संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य हासिल करना बेहद आसान हो जाएगा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार)
06 जून 2026

मोदी-ट्रंप की मुलाकात से बनेगी व्यापार समझौते पर बात

जी-7 देशों की बैठक में मिल सकते हैं दोनों

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापारिक मतभेदों के बीच समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिख रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों का जिक्र कर विश्वास जताया है कि दोनों देश जल्द ही एक व्यापक व्यापार समझौते पर सहमति बनने वाले है। उनके इस बयान को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और दोनों देशों के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार वार्ताएं सफल होंगी और निकट भविष्य में एक लाभकारी समझौते का रास्ता साफ होगा। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि भारत ने लंबे समय तक अमेरिकी उत्पादों और कंपनियों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाए, जिससे अमेरिकी कारोबारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने विशेष रूप से अमेरिकी मोटरसाइकिल निर्माता हार्ले-डेविडसन का उदाहरण देकर कहा कि भारी आयात शुल्क के कारण कंपनी के लिए भारतीय बाजार में कारोबार करना चुनौतीपूर्ण हो गया था। उनके अनुसार, इसी वजह से कंपनी को भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करनी पड़ीं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत कम बाधाओं का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा हैं कि जी-7 देशों की बैठक में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मुलाकात हो सकती है। इस बीच, हाल ही में भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच चार दिनों तक चली व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने व्यापार तथा आर्थिक सहयोग को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय का कहना है कि दोनों देश इसतरह के समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिल सके। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई अपनी हालिया टेलीफोन वार्ता का उल्लेख किया, जिसमें व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और लंबित मुद्दों के समाधान पर चर्चा हुई थी। इसके बाद दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर काम तेज किया। हालांकि अमेरिकी न्यायालय के कुछ फैसलों और शुल्क नीति में हुए बदलावों के कारण वार्ताओं की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और विशेषज्ञों का मानना है कि रणनीतिक साझेदारी, निवेश और बढ़ते आर्थिक सहयोग को देखते हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावनाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं। यदि टैरिफ और बाजार पहुंच जैसे प्रमुख मुद्दों पर सहमति बनती है तो यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़े ब्रांड की मालिक बनने की ओर अग्रसर

न्यूयॉर्क ।

ओयो की मूल कंपनी प्रिज़्म के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय कंपनियां अब अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनने की ओर अग्रसर हैं जिससे भारतीय सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत एफएएएनजी यानी मेटा, अमेजन, एप्पल, नेटफ्लिक्स और गूगल जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए दूसरा सबसे बड़ा कार्यालय केंद्र है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तार किया है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। हम यहां मोटेल सिक्स के अधिग्रहण के साथ अमेरिका में सबसे बड़े इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक भी हैं। साल 2024 में ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया था, जो अमेरिका के होटल ब्रांड मोटेल 6 की मूल कंपनी है और उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बहुत जल्द भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़ी ब्रांड मालिक बनेंगी। इसका मतलब है कि पहली बार अमेरिकी उपभोक्ता भारतीय ब्रांड का उपयोग करेंगे और हमारे देश की 'सॉफ्ट पावर' को बॉलीवुड और सॉफ्टवेयर सेवाओं से आगे समझेंगे। यह सब प्रौद्योगिकी के कारण संभव होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 116, निफ्टी 49 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजार से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसकी कारण दिन भर कर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 116.67 अंक नीचे आकर 74243.34 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 49.85 अंकों की गिरावट के साथ ही 23366.7 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स करीब 355 अंक उछलकर 74,717.57 के स्तर पर पहुंच गया था पर इसके बाद अचानक ही इसमें गिरावट आने लगी। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के जिन शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। वे हैं अडानी पोर्ट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एमएंडएम। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों मे गिरावट रही जबकि निफ्टी के साथ ही मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। इस कारण निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.37 फीसदी नीचे आ गयाजबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.13 फीसदी गिरा।

आज कारोबार के दौरान अधिकतर इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए। आज सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी मीडिया में रही और यह करीब 3.50 फीसदी तक ऊपर आया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 1.50 फीसदी और निफ्टी आईटी करीब एक फीसदी गिरा। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर संशय के बची ही विदेशी निवेशकों के बाजार से दूरी बनाने के अलावा आरबीआई के आर्थिक विकास दर के कम होने और महंगाई बढ़ने की आशंका से भी बाजार गिरा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 77 अंकों की गिरावट के साथ ही 94.97 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति निर्णय से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.63 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.63 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को दो पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 99.41 पर रहा।

घाटे के बाद भी 39 लिस्टेड कंपनियों ने बांटा डिविडेंड

शेयर बाजार के चल रहे घोटाले से विदेशी निवेशक गायब

मुंबई ।

शेयर बाजार में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। वित्त वर्ष 2025-26 में घाटे में चल रही 39 सूचीबद्ध कंपनियों ने अपने निवेशकों को 450 फीसदी तक डिविडेंड वितरित किया। इनमें कई ऐसी कंपनियां शामिल हैं, जिनका सालाना प्रदर्शन कमजोर रहा, फिर भी उन्होंने भारी लाभांश देकर बाजार को हैरान कर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि घाटे में रहने के बावजूद ऊंचा डिविडेंड देना कंपनी की वित्तीय स्थिति पर सवाल खड़े करता है। आलोचकों का आरोप है कि बाजार नियामक सेबी ऐसे मामलों पर प्रभावी निगरानी नहीं रख पा रहा है। लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े मामलों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया है। इसका असर विदेशी निवेश पर भी दिखाई दे रहा है, जहां विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता और कड़ी निगरानी के बिना बाजार में निवेशकों का विश्वास बहाल करना मुश्किल होगा। ऐसे मामलों की गहन जांच और सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो रही है।

अमेरिकी कोयला उद्योग को बड़ा सहारा, ट्रंप ने 6700 करोड़ रुपये निवेश का ऐलान किया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के कोयला उद्योग को नई मजबूती देने के उद्देश्य से 700 मिलियन डॉलर (करीब 6700 करोड़ रुपये) के निवेश पैकेज की घोषणा की है। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि यह पहल ऊर्जा लागत कम करने, बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा के लिए कोयला बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि नए निवेश के जरिए 14 कोयला आधारित बिजलीघरों और 42 कोयला खदानों को संरक्षण मिलेगा। इसके अलावा दो नए कोयला बिजलीघर और एक बड़े निर्यात टर्मिनल का निर्माण होगा। उनके अनुसार इस परियोजना से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और करीब 14 हजार नौकरियों को समर्थन मिलेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस योजना से अमेरिकी उपभोक्ताओं के बिजली खर्च में करीब 50 अरब डॉलर तक की बचत संभव होगी। उन्होंने घोषणा की कि कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को चालू रखने के लिए सरकार आपातकालीन अधिकारों का उपयोग करेगी। ट्रंप के मुताबिक वेस्ट वर्जीनिया, केंटकी, नॉर्थ कैरोलाइना, इंडियाना, टेनेसी, एरिजोना, अर्कांसस, ओक्लाहोमा, नॉर्थ डकोटा और विस्कॉन्सिन सहित कई राज्यों के 13 कोयला बिजलीघरों को फैसले से राहत मिलेगी।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन बिजलीघरों के आधुनिकीकरण से उनकी संचालन क्षमता कई दशकों तक बनी रहेगी और देश के बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ेगी। ट्रंप ने एक बड़े निर्यात

कार्यक्रम की भी घोषणा करते हुए कहा कि वेस्ट गेटवे प्रोजेक्ट का निर्माण इस वर्ष गर्मियों में शुरू होगा। परियोजना के पूरा होने के बाद 2028 से प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ टन उच्च गुणवत्ता वाला अमेरिकी कोयला वैश्विक बाजारों में निर्यात किया जाएगा। अमेरिकी गृह मंत्री डग बर्गम ने कहा कि सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी मंजूरी प्रक्रियाओं को तेज किया है और कई नियामकीय बाधाओं को कम किया गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में कोई नया कोयला पट्टा जारी नहीं हुआ था, जबकि वर्तमान प्रशासन ने 76 परमिट और लीज को मंजूरी दी है।

ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भी कोयले को आधुनिक औद्योगिक विकास और बिजली उत्पादन का अहम आधार बताया। ट्रंप ने कहा कि विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और घरेलू उद्योगों के विस्तार के लिए विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति आवश्यक है और कोयला इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर, 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त आरबीआई

दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था।उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई 2026 तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 प्रतिशत) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। गवर्नर ने कहा कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं जिनसे आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में हम सतर्क हैं और व्यवस्थित बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रहा।इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई। इसका कारण रुपये पर दबाव बढ़ा और भारतीय रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा।

चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य

नई दिल्ली ।

देश में चांदी के गहनों और कलाकृतियों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य करने की तैयारी शुरू हो गई है। उपभोक्ताओं को शुद्धता की गारंटी देने और बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने इसके लिए नियामकीय और तकनीकी ढांचे का अध्ययन शुरू कर दिया है। बीआईएस के अनुसार, व्यवस्था को पूरी तरह तैयार करने और संभावित कमियों को दूर करने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। वर्तमान में सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य है, जबकि चांदी पर यह व्यवस्था लंबे समय से स्वैच्छिक रूप में लागू है। प्रस्तावित नियम लागू होने के बाद चांदी के गहनों की शुद्धता की प्रमाणिकता सुनिश्चित होगी और ग्राहकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात घटाने बनाए छह क्षेत्रीय समूह

समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए कम से कम 100 उत्पादों की पहचान करने हेतु छह क्षेत्र-विशेष कार्य समूहों का गठन किया है। एक अधिकारी ने कहा कि इसका उद्देश्य इन उत्पादों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना है। ये समूह संबंधित वस्तुओं की सूची पर चर्चा करेंगे और उनके द्वारा तैयार अंतिम सूची तीन सप्ताह के भीतर मंत्रिमंडल सचिवालय को सौंपी जाएगी। ये छह समूह औषधि, जैव-प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा उपकरण, रसायन व पेट्रो-रसायन, वस्त्र व जूते चप्पल, पूंजीगत वस्तुएं, मोटर वाहन व इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत पूंजीगत वस्तुएं, ऊर्जा, निर्माण उपकरण व अवसंरचना तथा रक्षा व वैमानिकी (केवल नागरिक उपयोग वाले उत्पादों के लिए) और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इन समूहों में वाणिज्य, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), नीति आयोग, औषधि, आर्थिक मामलों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रसायन, वस्त्र, भारी उद्योग, बंदरगाह एवं नौवहन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, सड़क परिवहन, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और तेल मंत्रालयों/विभागों के सदस्य शामिल हैं। इन समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे। ये समूह ऐसे उत्पादों की पहचान करेंगे जो या तो भारत में निर्मित नहीं होते या देश की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उत्पादित नहीं हो रहे हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का आयात 7.5 प्रतिशत बढ़कर 775 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में भारी गिरावट

सेबी ने लगाया कारोबार पर प्रतिबंध

15 लाख करोड़ से ज्यादा का घपला घोटाला

मुंबई ।

स्वर्ण आभूषण एवं बुलियन कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयरों में सेबी की कड़ी कार्रवाई के बाद भारी गिरावट देखने को मिली है। 2023 में इस कंपनी का शेयर 1,028 रुपये पर पहुंच चुका था। कंपनी का शेयर लगातार दबाव में रहा और अब इस कंपनी का शेयर 103 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। निवेशकों को 12000 करोड रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ है। इसमें केनरा बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम को भी भारी नुकसान हुआ है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने इसकी शेयर खरीद रखे हैं वही लगभग 600 करोड रुपए का कर्ज केनरा बैंक का है।

हालिया घटनाक्रम के बाद शेयर में बिकवाली और तेज हो गई। स्टॉक लोअर सर्किट पर पहुंच गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रबंधन पर वित्तीय खुलासों में कथित अनियमितताओं के आरोपों की जांच शुरू करते हुए कई प्रतिबंधात्मक कदम उठाए हैं। नियामक की कार्रवाई से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ है। जिसका असर सीधे कंपनी के बाजार पूंजीकरण और शेयर मूल्य पर दिखाई दे रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है, किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के लिए पारदर्शिता और नियामकीय अनुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली कंपनी का यह घपला घोटाला सभी को चौंका रहा है। सेबी की जांच पूरी होने और तथ्यों के स्पष्ट होने तक निवेशकों में असमंजस की स्थिति बन गई है। फिलहाल बाजार की नजर सेबी की आगे की कार्रवाई और कंपनी के स्पष्टीकरण के इंतजार पर टिकी हुई है। शेयर बाजार के घपले-घोटाले अब एक-एक करके सामने आ रहे हैं। राजेश एक्सपोर्ट के सामने सेबी जैसी संस्था भी बौनी साबित हो रही है। बार-बार जानकारी मांगने के बाद भी यदि उसके द्वारा जानकारी नहीं दी जा रही है।

आरबीआई ने खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत किया

इसके पहले 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ईंधन की बढ़ती कीमतों से कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी होने से शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। पहले इसके 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में मई से अब तक कुल 7.4 प्रतिशत और डीजल में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी का कुल महंगाई पर करीब 0.36 प्रतिशत का सीधा असर पड़ेगा। इसके साथ दूसरे दौर के प्रभाव आने वाले महीनों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में दिखाई देंगे। इसमें कहा गया कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का असर वाणिज्यिक एलपीजी, औद्योगिक कच्चे माल, रसायन, रबड़ और प्लास्टिक उत्पादों जैसे अन्य कच्चे माल पर भी दिख रहा है। कच्चे माल की लागत बढ़ने के दूसरे चरण के प्रभाव आगे चलकर महंगाई पर दबाव डाल सकते हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जून मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जिंस कीमतों में झटके, मानसून को लेकर अनिश्चितता और अल नीनो जैसी परिस्थितियों के कारण महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। फरवरी में 3.2 प्रतिशत से थोड़ा बढ़ने के बावजूद मार्च और अप्रैल 2026 में कुल खुदरा महंगाई लक्ष्य से नीचे (क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 3.5 प्रतिशत) रही। खाद्य महंगाई में कुछ बढ़ोतरी हुई, जबकि मार्च और अप्रैल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रहने से ईंधन की महंगाई दर नियंत्रित रही। मुख्य महंगाई मार्च-अप्रैल के दौरान 3.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य महंगाई इसी अवधि में और कम होकर 2.1-2.2 प्रतिशत रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें (भारत पर भार) अप्रैल-मई, 2026 के दौरान औसतन लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल रही हैं।

ऐसे संकेत हैं कि 2026-27 में औसत कीमतें पिछली नीति में अनुमानित स्तर से काफी अधिक रहेंगी।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और कई कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के कारण अप्रैल, 2026 में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) में तेज उछाल देखा गया।

10 महीनों में लागू होंगे 9 मुक्त व्यापार समझौते

भारत बनेगा दुनिया का भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग हब

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार अगले 10 महीनों में पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लागू करने की तैयारी में है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इन समझौतों से भारत की वैश्विक व्यापारिक पहुंच बढ़ेगी और देश दुनिया के सबसे भरोसेमंद विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरेगा। मुंबई में आयोजित सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि ओमान के साथ एफटीए 1 जून से लागू होने के बाद अगले छह महीनों में दो से तीन और महत्वपूर्ण व्यापार समझौते प्रभावी हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में जिन नौ एफटीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

ये देश भारत के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि उसकी आर्थिक वृद्धि के सहयोगी और पूरक हैं। गोयल ने कहा कि वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन कर रही हैं और इस प्रक्रिया में भारत सबसे विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी चर्चा हुई, जिनमें से अधिकांश ने भारत को सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया। उनके अनुसार दुनिया भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में देख रही है। इसी दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने 3.5 अरब डॉलर की लागत से 100 औद्योगिक पार्क विकसित करने का कार्यक्रम शुरू किया है।

इन पार्कों में उद्योगों को भूमि, बिजली-पानी, श्रमिक आवास, पर्यावरणीय मंजूरियां और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।गोयल ने कहा कि सरकार अब केवल नियामक की भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योगों और निवेशकों के लिए सुविधाप्रदाता की भूमिका निभा रही है। इससे भारत में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थों में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थों से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पतियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

अश्विन को उम्मीद, अफगानिस्तान के खिलाफ हर्ष को मिलेगा डेब्यू का अवसर

चेन्नई । दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से मुल्लांपुर में शुरू हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। अश्विन के अनुसार पिछले कुछ समय में हर्ष ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। इसके अलावा अश्विन को उम्मीद है कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने अब तक बल्लेबाजी की है उससे मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन ने कहा, हालांकि मेरी नजरें हर्ष पर टिकी हुई हैं और मैं यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हूँ कि उन्हें इस बड़े प्रारूप में अवसर मिलता है या नहीं। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन को मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच किसी एक को चुनना होगा पर हर्ष ने जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उससे मेरा मानना है कि उसे ही अवसर मिलना चाहिये। अश्विन ने इस स्पिनर के आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को भी एक कारण बताया है। अश्विन के अनुसार वह हर्ष को भारतीय टेस्ट कैप पहने देखना चाहते हैं। साथ ही कहा ये स्पिनर टीम में जगह का अधिकारी है।

लॉर्ड्स टेस्ट- ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके। इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

नाथन स्मिथ ने 3 और विल ओरूर्के ने 2

विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

एशिया कप अंडर-18 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के जीतने की अधिक संभावना पाक अधिकारी

लाहौर।

पाकिस्तान टीम के एक अधिकारी का मानना है कि एशिया अंडर-19 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो देशों के बीच होने वाले सेमीफाइनल से पहले पाक अधिकारी ने ये बात कही है। इस अधिकारी का कहना है कि भारतीय टीम की तैयारियों उससे बेहतर हैं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास उसने कही बेहतर सुविधाएं हैं। इस टूर्नोमेंट पाक टीम ने अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन को 5-2 से जबकि भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 13-0 से हराया। इससे अंदाज होता है कि भारतीय टीम कितनी अधिक हावी है। इसके अलावा भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम को भी 4-1 से हराया था। टूर्नामेंट में मेजबान जापान ने भी दमदार प्रदर्शन किया है। जापान ने भारत, चीनी

इस पाक अधिकारी का मानना है कि टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी काफी अधिक अच्छी थी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलियनई जूनियर टीम से हाल में पांच मैच खेले थे और इसके बाद यूरोप का भी दौरा किया था। वहीं हमारी टीम के खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरे हैं। इसके अलावा दोनो की ट्रेनिंग के स्तर में भी अंतर हैं।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

तिलक को मिलेगी उपकप्तानी

मुम्बई।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा.एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाने तैयार है।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का फ्रेंच ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंची

खिताबी मुकाबले में एंड्रीवा का सामना करेंगी

पेरिस ।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के फाइनल में पहुंच गयी हैं। च्वालिंस्का ने इसी के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही वह किसी ग्रैंड स्लैम के खिताब मुकाबले में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गयी हैं। च्वालिंस्का ने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को दो घंटे से अधिक समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी।

च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल नौ मैच जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग और छह मैच मुख्य ड्रॉ के हैं।

इस प्रकार वह ओपन युग में किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर बनी हैं। इससे पहले, यह रिकार्ड ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने साल 2021 अमेरिकी ओपन में किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

जीत के बाद च्वालिंस्का बेहद उत्साहित दिखीं। अब फाइनल में

च्वालिंस्का का मुकाबला 8वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा से होगी।

संक्षिप्त समाचार

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

उपकप्तानी से हटाये जाने से नाराज नहीं - टेन डोशेट

मोहाली ।

पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, ÷लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है।÷इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी। इस टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी थी क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10 वें स्थान पर रही थी। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के अंत में इस बल्लेबाज ने कुछ जबरदस्त पारियां खेलीं. इसमें सिडनी में अर्धशतक भी शामिल है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने लीड्स टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाये थे।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई ।

15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, ÷वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं।÷वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

वैभव बन सकते हैं सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय

मुम्बई।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम से डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति शनिवार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी जाने वाली टी20 टीम में उन्हें शामिल कर सकती है। वैभव की उम्र 15 साल और 70 दिन है। वहीं भारतीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी तेंदुलकर हैं। उन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में डेब्यू किया था। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बना रहा है। वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 776 रन बनाए जिसमें स्ट्राइक रेट 237.30 का रहा था। जिसके बाद से ही उन्हें टी20 प्रारुप के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग तेज होने लगी थी। भारत 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा, फिर 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड में पांच टी20 मैच

होंगे। वैभव को आयरलैंड सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं सबसे कम उम्र में अपने देश की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पाकिस्तान के हसन रजा नंबर एक पर हैं।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में केवल 14 साल और 227 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ 1996 में डेब्यू किया था।

इंग्लैंड न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में गेंदबाज रहे हावी, दिन भर में गिरे 16 विकेट

मेजबान टीम के 140 रनों के जवाब में कीवी टीम ने 61 रनों पर गंवाये 6 विकेट

लॉर्ड्स ।

यहां इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच लॉर्ड्स में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गेंदबाज हावी रहे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन भर में कुल 16 विके गिरे। मैच में मेहमान न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम का पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड के बल्लेबाज कीवी टीम के तेज गेंदबाजों विशेषरुप से काइल जैमिसन के सामने टिक नहीं पाये और पूरी टीम अपनी पहली पारी मे 140 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। जैमिसन ने पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी ढ़हा दी। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी कीवी टीम का हाल तो इससे भी खराब रहा।

ओली रॉबिन्सन के सामने कीवी बल्लेबाज टिक नहीं पाये और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक टीम ने पहली पारी में 61 रनों पर ही छह विकेट खो दिये। रॉबिन्सन ने शुरुआती ओवर में तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया, जिससे टीम स्टंप्स तक भी उबर नहीं सकी. न्यूजीलैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 79 रन आगे है। अब देखना है कि कीवी बल्लेबाज दूसरे दिन रन बना पाते हैं या नहीं

कीवी कप्तान टॉम लैथम का पहले गेंदबाजी करने का फैसला बिल्कुल सही था। कीवी टीम के चारों तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को कोई अवसर नहीं दिया। . जैमिसन ने पिच से मिल रही अतिरिक्त उछाल और सीम का पूरा फायदा उठाया। . इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति पूरी तरह से विफल रही। टीम पहले 10 ओवरों में केवल 24 रन ही बना पायी। बेन डकेट ने 19, जैकब बेथेल ने 6 और जो रूट ने केवल 1 रन बनाया। मैच में बारिश से भी बाधा आई। इंग्लैंड की ओर से केवल हैरी ब्रूक ही टिक पाये। ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 56 रन बनाये।

2007 टी20 विश्वकप खेलने से सचिन, द्रविड और गांगुली ने इंकार कर दिया था - ललित मोदी

मुम्बई । आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2007 में जब पहली बार आईपीएल शुरु हुआ था तो सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने उसमें खेलने से इंकार कर दिया था। इन लोगों ने इस प्रारुप को बेवकूफी बताया था। वहीं आज टी20 क्रिकेट इतना बड़ा खेल बन गया है कि इसके आगे टेस्ट और वनडे की चमक फीकी पड़ गई है।ललित मोदी के अनुसार टी20 विश्व कप 2007 से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर थी, जहां उन्हें तीन टेस्ट मैच और 7 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी थी। इसके बाद टी20 विश्वकप शुरु होना था। तब इंग्लैंड दौरे के लिए राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे सीनियर स्टार टीम का हिस्सा थे।

फीफा विश्वकप के अभ्यास मुकाबले में कोटे डी आइवर ने फ्रांस को हराकर किया उलटफेर

इराक और स्पेन का मुकाबला बराबरी पर रहा

मैड्रिड ।

11 जून से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के अभ्यास मुकाबले जारी हैं। पूर्व चैम्पियन फ्रांस को 2-1 से हराकर सनसनी फैला दी। वहीं इराक ने अपने से कही बेहतर टीम स्पेन को 1-1 की बराबरी पर रोककर सभी को हैरान कर दिया। वहीं स्वीडन और यूनान का मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। में स्पेन और इराक के मुकाबले की बात करें तो जहां स्पेनिश टीम कई बदलावों के साथ उतरी। वहीं इराक ने अपनी अनुभवी टीम उतारी। मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने हमले शुरु कर दिये। 16वें मिनट में ही फेरान टोरेस ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वहीं 27वें मिनट में इराक ने एक गोली कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। ये गोल मर्चास डोस्की ने दागा। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर गोल करने में सफल नहीं हुईं। वहीं स्वीडन और यूनान के बीच खेला गया दूसरा अभ्यास मैच भी 2-2 से बराबरी पर रहा। दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। यूनान की ओर से कोस्तास सिमि कास ने 10वें मिनट में ही एक गोल कर पहला गोल दागा। इसके बाद स्वीडन

की ओर से आर्सेनल के स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने डिफ्लेक्टेड फ्री-किक पर गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। स्वीडन की ओर से गुस्ताफ निल्सन ने मैच के 69वें मिनट में दूसरा गोल किया। वहीं इंजरी टाइम में जॉर्जोस मासौरास ने गोलदागकर यूनान को बराबरी पर ला दिया। वहीं ।

राहुल को व्यस्त कार्यक्रम के कारण किसी टीम ने नहीं खरीदा

मुम्बई ।

बल्लेबाज केएल राहुल को व्यस्त कार्यक्रम होने से किसी भी टीम ने महाराजा टी20 ट्रॉपी (केएससीए) टी20 लीग के लिए शामिल नहीं किया है। ये लीग , 20 जून से शुरु होने जा रही है। इस लीग के लिए राहुल पर भी सभी की नजरें लगीं थीं पर उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। इसका कारण उनका उनकी बल्लेबाजी या फॉर्म नहीं बल्कि व्यस्त कार्यक्रम है। राहुल को शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे टेस्ट मैच में खेलना है। इसके लिए उन्हें टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं टेस्ट मैच के बाद राहुल को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरे पर जाना है। ऐमें लगातार खेलने जा रहे राहुल के पास किसी भी लीग में खेलने का समय नहीं है। इस कारण से वह केएससीए लीग से बाहर हैं और किसी टीम ने उनपर बोली नहीं लगायी। लीग के लिए राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा दोनों के नाम सामने रखे गये थे। इसमें कृष्णा को मैसूर वॉरियर्स ने 2.6 लाख रुपये में खरीदा। राहुल ने हाल ही में हुए आईपीएल 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 मैचों में उन्होंने 45 से अधिक की औसत के साथ 593 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट काफी अच्छा रहा था। इस कारण केएससीए लीग के लिए उनकी अच्छी मांग थी।

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।'

साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटेड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

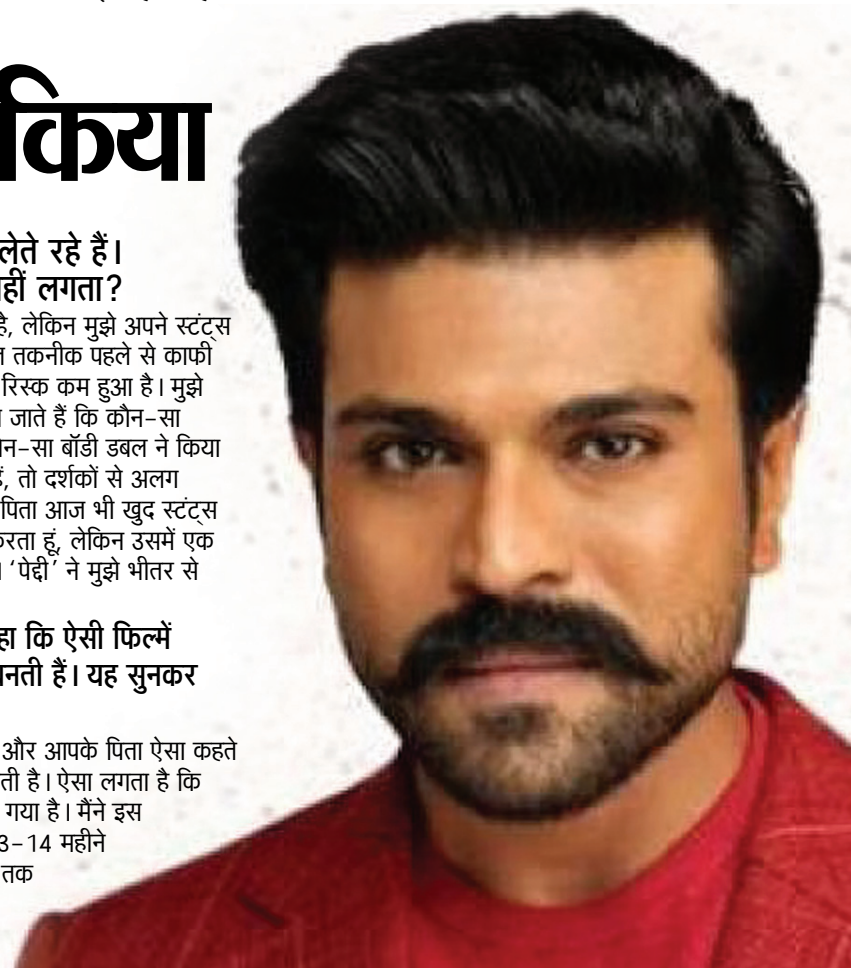

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे ष्करूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फ्रांसीसी महिला से गैंगरेप करने वाले 2 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने 2020 के चर्चित मोटरवे गैंगरेप केस में दो दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दोषियों ने फ्रेंच महिला पर्यटक को उसके तीन बच्चों के सामने कार से बाहर निकालकर गन पॉइंट पर गैंगरेप किया था। मार्च 2021 में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने दोनों को गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों ने लाहैर हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। अब लाहौर हाईकोर्ट ने दोषी आबिद अली और शफकत अली की अपील खारिज कर दी है। यह घटना सितंबर 2020 में सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी मूल की महिला अपने तीन बच्चों के साथ सफर कर रही थी, तभी उसकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। जांच के मुताबिक, महिला कार के अंदर मदद का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने कार का शीशा तोड़ा, महिला को बाहर घसीटा और बंदूक की नोक पर बच्चों के सामने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिए थे।

ट्रेनिंग के दौरान ब्रिटिश नेवी का हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन सैनिकों की मौत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एक हेलिकॉप्टर बुधवार को ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार तीन सैनिकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना इंग्लैंड के डेवोन इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुई, जब हेलिकॉप्टर एक खेत में गिरा। रॉयल नेवी के प्रमुख जनरल ग्विन जेनकिंस ने कहा कि मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में सवार तीन क्रू मेंबर इस हादसे में जान गंवा बैठे। हादसा कैसे हुआ, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। रॉयल नेवी के मुताबिक मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में आमतौर पर चार लोग सवार होते हैं और यह 24 सैनिकों को ले जा सकता है। इसका इस्तेमाल समुद्र में गश्त, बचाव अभियान, सामान पहुंचाने और पनडुब्बियों की निगरानी जैसे कामों में किया जाता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मृत जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे को बेहद दुखद बताया और जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट नहीं मिलने के पीछे रूस का विरोध : जर्मन विदेश मंत्री

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के चुनाव में जर्मनी को हार का सामना करना पड़ा है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने इस नतीजे को 'कड़वी हार' बताते हुए कहा कि यूक्रेन और इजराइल के समर्थन में जर्मनी के रुख तथा रूस के विरोध की वजह से उसे पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। बुधवार को हुए मतदान में पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह की दो सीटों के लिए चुनाव हुआ। इसमें पुर्तगाल को 134 और ऑस्ट्रिया को 131 वोट मिले, जबकि जर्मनी को केवल 104 वोट मिले। वाडेफुल ने कहा कि रूस नहीं चाहता था कि जर्मनी की आवाज सुरक्षा परिषद तक पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने जर्मनी के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की। हालांकि, रूस ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जर्मन विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि मध्य पूर्व संघर्ष में इजराइल के प्रति जर्मनी की विशेष जिम्मेदारी और उसके समर्थन का भी चुनावी परिणाम पर असर पड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी कई मुद्दों पर स्पष्ट और सिद्धांत आधारित रुख अपनाता है, जिससे सभी सदस्य देश सहमत नहीं होते। चुनाव में किर्गिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा जिम्बाब्वे भी सुरक्षा परिषद के नए अस्थायी सदस्य चुने गए। जर्मनी की हार को चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के लिए एक झटका माना जा रहा है। विपक्षी दलों का कहना है कि मर्ज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जर्मनी की भूमिका मजबूत करने का केवल दावा करते रहे हैं। दूसरी ओर मर्ज ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को बधाई दी और कहा कि जर्मनी बहुपक्षीय व्यवस्था का भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल बनाने का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल के पद पर नामित करेंगे। ब्लैंच, जो ट्रंप के पूर्व निजी वकील रह चुके हैं, ने कार्यवाहक भूमिका में न्याय विभाग का नेतृत्व करते हुए रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज के दौरान, ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना गुरुवार को औपचारिक रूप से ब्लैंच को नामित करने की है। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक सहायक द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार है।

ट्रंप के खिलाफ बागी हुए उनके ही सांसद, विपक्षी दल से मिलाया हाथ; अब रुकेगा ईरान युद्ध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक ऐसा प्रस्ताव पास कर दिया है, जो ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में ट्रंप की शक्तियों को सीमित कर देगा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी बगावत कर दी और विपक्षी दल डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर वोट किया।

क्या है प्रस्ताव में और कैसे हुई वोटिंग : प्रतिनिधि सभा में इस 'वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन' (युद्ध शक्ति प्रस्ताव) के पक्ष में 215 और विरोध में 208 वोट पड़े। ट्रंप के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि चार रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेट्स के पक्ष में वोट किया। वहीं, किसी भी डेमोक्रेट सांसद ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट नहीं किया।

ट्रंप को क्या निर्देश : इस प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति ट्रंप को साफ निर्देश दिया गया है कि जब तक अमेरिकी संसद (कांग्रेस) औपचारिक तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं करती या सैन्य बल के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं देती, तब तक अमेरिकी सैनिकों को ईरान से वापस बुलाया जाए। प्रस्ताव के प्रायोजक प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने इसे एक 'बड़ा टर्निंग पॉइंट' बताते हुए कहा कि अब रिपब्लिकन सांसद भी उन स्थानीय लोगों की आवाज सुन रहे हैं, जो मिडिल ईस्ट में एक और अंतहीन युद्ध नहीं चाहते।

क्या अब सच में रुक जाएगा ईरान युद्ध : भले ही यह प्रस्ताव पास हो गया है, लेकिन इसे फिलहाल 'प्रतीकात्मक' ही माना जा रहा है। इसे कानून बनने और पूरी तरह लागू होने के लिए अभी सीनेट से भी पास होना होगा। सबसे बड़ी बाधा खुद व्हाइट हाउस है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के पास वीटो का अधिकार है जिससे वह इस बिल को ब्लॉक कर सकते हैं।

हालांकि, यह वोटिंग दिखाती है कि तीन महीने से चल रहे इस युद्ध को लेकर खुद रिपब्लिकन पार्टी में कितनी चिंता बढ़ गई है। बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसके बाद जून में अब यह युद्ध अपने चौथे महीने में प्रवेश कर चुका है।

इन फैसलों पर भी ट्रंप के खिलाफ गए अपने ही सांसद : ईरान युद्ध ही नहीं, कई अन्य मुद्दों पर भी रिपब्लिकन सांसद ट्रंप के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं।

यूक्रेन को सैन्य मदद: प्रतिनिधि सभा ने 'यूक्रेन सपोर्ट एक्ट' पर वोटिंग का रास्ता साफ कर दिया है। रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाले इस कदम के समर्थन में भी 6 रिपब्लिकन और एक निर्दलीय सांसद ने वोट किया।

वेपनाइजेशन' फंड का विरोध: राजनीतिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रंप द्वारा बनाए जा रहे 'वेपनाइजेशन' फंड की योजना के खिलाफ भी रिपब्लिकन सांसदों ने बगावत की। खुफिया प्रमुख की नियुक्ति पर नाराजगी: बिल पुल्टे को नेशनल इंटेलिजेंस का कार्यवाहक निदेशक बनाने पर भी रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि पुल्टे के पास राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई अनुभव नहीं है।

चुनाव से पहले विपक्ष को मिला बड़ा हथियार : डेमोक्रेट्स का कहना है कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक सिर्फ संसद ही युद्ध की घोषणा कर सकती है, राष्ट्रपति नहीं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि बिना किसी साफ रणनीति के ट्रंप ने देश को एक लंबे युद्ध में धकेल दिया है।

इस युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका में गैस, खाने-पीने की चीजों और अन्य उत्पादों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। अप्रैल में थोक महंगाई दर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले डेमोक्रेट्स ने इस महंगाई को अपना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है।

दूसरी तरफ, ट्रंप प्रशासन लगातार इस बात पर अड़ा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यह युद्ध बेहद जरूरी है। वहीं, रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि डेमोक्रेट्स यह सब सिर्फ राजनीतिक फायदे और ट्रंप को कमजोर करने के लिए कर रहे हैं।

कुवैत ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को किया नष्ट, ईरान का अमेरिकी बेस पर हमले का दावा

कुवैत सिटी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांतिवार्ता खटाई में पड़ती जा रही है. एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति प्रयासों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. जानकारी के मुताबिक ईरान ने बुधवार 3 जून को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया. ड्रोन और मिसाइलों से जमकर हमले किए. वहीं, जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सेना ने भी ईरान के कुछ ठिकानों पर बमबारी की.

दोनों देशों के हालातों पर बात करते हुए एक कुवैती आर्मी के जनरल स्टाफ ने कंफर्म किया कि लोगों ने जिन धमाकों की रिपोर्ट की है, वे सीधे तौर पर टैक्टिकल यूनिट्स के डिफेंसिव ऑपरेशन से जुड़े थे, जो आने वाले वेक्टर्स को न्यूट्रलाइज कर रहे थे. मिलिट्री कमांड ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुवैती एयर डिफेंस अभी दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं. आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर धमाके की आवाजें सुनाई देती हैं, तो वे एयर डिफेंस सिस्टम के दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा हैं.

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकारी ने बताया कि तेहरान के ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले सफल नहीं हुए. उन्हें बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया. वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके. बता दें, बहरीन पर भी 3 मिसाइलें दागी गईं, लेकिन

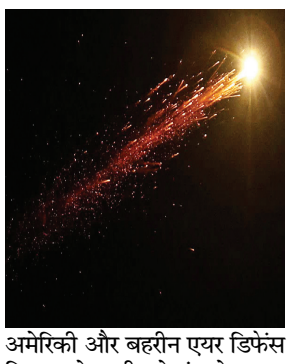

अमेरिकी और बहरीन एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को इंटरसेप्ट कर लिया. सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करते हुए, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने नागरिकों और विदेशी निवासियों, दोनों से बहुत ज्यादा सावधानी बरतने और कोई भी अजीब मलबा मिलने पर तुरंत 112 हॉटलाइन पर इमरजेंसी सर्विस को बताने की अपील की.

कर्नल अल-ओतैबी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की, और कहा कि वे सिर्फ सरकार के मंजूर इन्फॉर्मेशन नेटवर्क से ही खबरों की पुष्टि करें और सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करें. मिलिट्री लीडरशिप ने इस निर्देश पर फिर से जोर देते हुए कहा कि आर्मी का जनरल स्टाफ सभी से सहयोग करने और सभी की सुरक्षा और सेफ्टी बनाए रखने के लिए जारी गाइडलाइंस का पालन करने की अपील करता है. बता दें, हमले के बाद पूरे कुवैत में अलार्म बज रहे हैं।

ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था। यह मामला बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।' जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे। कई महीनों के सैन्य तनाव के बाद अमेरिका एक नए समझौते की कोशिश कर रहा है, जिसका उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर सीमाएं तय करना है। पेरी ने यह भी पूछा कि अगर कूटनीतिक बातचीत विफल हो जाती है और ईरान परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने या परीक्षण करने की धमकी देता है, तो प्रशासन की प्रतिक्रिया क्या होगी। रुबियो ने कहा कि ऐसा कदम ईरान की मंशा को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को सही साबित करेगा। उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि इससे वही साबित होगा जो हम पहले से उनके बारे में मानते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है। रुबियो ने कहा, 'मुझे लगता है कि तब राष्ट्रपति को इस परिस्थिति में उपलब्ध दूसरे विकल्पों पर आगे बढ़ना होगा।

बेरूत पर हमला हुआ तो ईरान सैन्य जवाब देने को तैयार : अराघची

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल बेरूत पर हमला करता है, तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी पक्षों को साफ बता दिया है कि वह लेबनान की राजधानी पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा कदम फिर से युद्ध शुरू होने की वजह बन सकता है। बुधवार को (स्थानीय समयानुसार) लेबनान के टीवी चैनल अल मयादीन को दिए गए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर बेरूत पर हमला होता है तो वह इजरायल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सं?हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने आरोप लगाया कि इजरायल ने हाल के दिनों में ईरान और लेबनान दोनों जगह युद्धविराम

का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में ईरान और लेबनान की स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी युद्धविराम या समझौते में दोनों देशों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। दोनों पक्ष आपस में भेजे गए मसौदों की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम समझौते का रूप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दोहराया कि ईरान 'सम्मान और गरिमा पर आधारित शांति और सुरक्षा' चाहता है और युद्ध नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि तेहरान ने बातचीत के प्रस्तावों का सकारात्मक जवाब दिया है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की सेना किसी भी समय फिर से सैन्य अभियान शुरू करने के लिए तैयार है और लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है।

पिछले कुछ हफ्तों में ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए शांति की शर्तों से जुड़े कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है। दोनों देश युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सोमवार को रिपोर्ट दी थी कि लेबनान में इजरायल की ताजा कार्रवाइयों के विरोध में तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है। कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत तेजी से जारी है।

कैपिटल हिंसा मामले में दोषी व्यक्ति पेंटागन में नियुक्त

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल भवन पर हुए हमले के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पेंटागन में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। पेंटागन के अनुसार, एलियास इरिजारी को रक्षा विभाग के नीति कार्यालय में राजनीतिक नियुक्ति के तहत जिम्मेदारी दी गई है। यह कार्यालय रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य रणनीति और रक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में सलाह देता है। इरिजारी 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल) पर हुए हमले में शामिल था। उस समय वह दक्षिण कैरोलिना के एक सैन्य कॉलेज का छात्र था। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वह टूटी हुई खिड़की से कैपिटल भवन में दाखिल हुआ, परिसर के अंदर घूमता रहा और तस्वीरें भी लीं। बाद में उसने अवैध प्रवेश के आरोप को स्वीकार कर लिया था। साल 2023 में अदालत ने उसे अवैध रूप से प्रवेश करने के मामूली अपराध में 14 दिन की जेल की सजा सुनाई थी। सजा से पहले उसने अदालत में अपने किए पर पछतावा जताते हुए कहा था कि उसके कार्यों से उसे, उसके परिवार और देश को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव ने कहा कि इरिजारी एक योग्य और देशभक्त युवा पेशेवर हैं तथा विभाग को उनकी नियुक्ति पर गर्व है। हालांकि, इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। सीनेट की खुफिया समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य मार्क वार्नर ने सवाल उठाया कि कैपिटल हिंसा में दोषी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कार्य कैसे सौंपे जा सकते हैं। यह पहला मामला नहीं है। ट्रंप प्रशासन में कैपिटल हमले से जुड़े अन्य लोगों को भी सरकारी पद दिए गए हैं। जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप ने 6 जनवरी हमले से जुड़े लगभग 1,600 आरोपियों के मामलों में माफी, सजा में राहत या मुकदमे खत्म करने जैसे कदम उठाए थे। इससे यह मुद्दा अमेरिकी राजनीति में फिर चर्चा का विषय बन गया है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे राष्ट्रपति ट्रंप : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह इस महीने फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन-ले-बैंस शहर में आयोजित किया जाएगा। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब ईरान को लेकर अमेरिका और उसके पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़े हुए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह 14 जून को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित होने वाली यूएफसी विश्व चैंपियनशिप फाइट्स देखने के बाद सीधे फ्रांस रवाना होंगे। ट्रंप ने इस आयोजन को अमेरिकी इतिहास की सबसे मनोरंजक रातों में से एक बताया। हाल के दिनों में ट्रंप ने जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे प्रमुख जी-7 देशों की आलोचना की थी। इसी कारण शुरुआत में उनके जी-7 सम्मेलन में शामिल होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह सम्मेलन ट्रंप के लिए खास माना जा रहा है, क्योंकि फरवरी में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद यह पहली बार होगा जब वह कई वैश्विक नेताओं से आमने-सामने मुलाकात करेंगे।

इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी ही पार्टी में बगावत, कई विधायक बोले- बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया है।

विधायकों ने की आपात बैठक : डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है।

पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे : विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन केवल बयानबाजी, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर उठे सवाल : पत्र में खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। विधायकों ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, संसाधनों के कथित अनुचित वितरण और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बिना सलाह लिए फैसले करने के आरोप लगाए। उन्होंने प्रशासन में

पारदर्शिता, योग्यता आधारित व्यवस्था और संस्थागत अनुशासन लागू करने की मांग की।

नाराज नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इमरान खान की विचारधारा और पार्टी के विजन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं व किसी गुट या व्यक्ति विशेष के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही उन्होंने इमरान खान समेत जेल में बंद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावी कानूनी सहायता तथा उनके परिवारों के समर्थन की व्यवस्था करने की भी मांग की।

कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से विधायक असंतुष्ट : रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 विधायक कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा बुलाई गई संसदीय बैठक का बहिष्कार किया और इसके बजाय रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे। वहीं, पार्टी अध्यक्ष बरिस्टर गोहर अली ने फिलहाल इस आंतरिक विरोध पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया जा रहा है कि वे इन दिनों पाकिस्तान-अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में पार्टी के चुनाव अभियान में व्यस्त हैं।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने 12 पदों पर जीत हासिल की : करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (xxxx) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव : यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है।

सियोल पर किसने जीत हासिल की : हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से-हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की।

जीत के बाद ओह से-हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का

संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली। हालांकि सबसे चर्चित जीत पूर्व पीपीपी नेता हान डोंग-हून की रही, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बुसान से जीत दर्ज की। हान डोंग-हून ने जीत के बाद कहा कि वे दक्षिण कोरिया के रूढ़िवादी खेमे का पुनर्निर्माण करेंगे और सरकार पर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दबाव बनाए रखेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़ती पकड़ राष्ट्रपति ली को क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में मदद करेगी, लेकिन सियोल की हार यह संकेत देती है कि विपक्ष अभी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है।

कैलिफोर्निया में 10 लोगों को बंधक बनाया, FBI ने संदिग्ध को किया ढेर

बेकर्सफील्ड , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के बेकर्सफील्ड शहर में एक व्यक्ति ने कार्यालय भवन के भीतर 10 लोगों को बंधक बना लिया। यह गतिरोध 15 घंटे से अधिक समय तक चला। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने बैंक भवन में खुद को लोगों के साथ बंद कर लिया था। घटना की सूचना बम की धमकी मिलने के बाद मिली थी। बुधवार तड़के एफबीआई की कार्रवाई के दौरान संदिग्ध मारा गया। पुलिस ने बताया कि सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को चोट नहीं पहुंची। मामले की जांच जारी है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.